सांध्य दैनिक
4PM

अधिक से अधिक भोले, कम ज्ञानी और बच्चों की तरह बनिए। जीवन को मजे के रूप में लीजिये क्योंकि वास्तविकता में यही जीवन है

-ओशो

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 108 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 22 मई, 2024

स्टार्क व अय्यरों का दिखा दम केकेआर... 7 | ओडिशा-बंगाल की सियासत से... 3 | भाजपा के खिलाफ उठ रहा जनसैलाब... 2

बढ़ती गर्मी के बीच चढ़ा सियासी पारा

मोदी सरकार की गलत नीतियों से आमजन हुआ लाचार

बीजेपी पर कांग्रेस का तीखा प्रहार

राहुल बोले- दो हिंदुस्तान बना रहे हैं प्रधानमंत्री मोदी

» मोदी का पलटवार- बस झूठ फैलाती है कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 25 जून को छठे चरण के मतदान होने हैं। गर्मी के चढ़ते पारे के बीच सियासी तापमान भी आगे बढ़ता जा रहा है। इसी क्रम में कांग्रेस नीत इंडिया गठबंधन व बीजेपी के बीच एक दूसरे पर हमला चरम पर पहुंच गया है। दोनों ओर के नेता एक दूसरे पर हमले करने का कोई भी मौका नही छोड़ रहे है। सभी विपक्षी दलों के भाषणों में जहां मोदी निशाने पर है तो बीजेपी सीधे राहुल गांधी पर हमला कर रही है।

इस बीच राहुल गांधी ने कहा है कि प्रधानमंत्री दो हिदुस्तान बना रहे हैं। जहां न्याय भी दौलत का मोहताज है। वहीं प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस अपने वोट वैंक के लिए झूठ बोलती है। वहीं मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि मैं नरेंद्र मोदी के खिलाफ नहीं हूं। मैं मोदी और आरएसएस की विचाराधारा के खिलाफ हूं। हम विचारधारा के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं। मोदी खुद को होशियार समझते हैं। परंतु मोदी से ज्यादा देश की जनता होशियार है। यह लड़ाई जनता और नरेंद्र मोदी व भाजपा के बीच है।

छठे चरण के चुनाव से पहले तेज हुआ प्रचार

मल्लिकार्जुन खरगे ने नरेंद्र मोदी को झूठों का सरदार भी कहा। पहले मोदी कहते थे कि कांग्रेस ने 70 साल में देश के लिए किया क्या है? अब कहते हैं कि कांग्रेस ने 55 साल में क्या किया है। नरेंद्र मोदी भूल गए कि कांग्रेस की बनाई हुई नीतियों के कारण ही वह आज प्रधानमंत्री बने हैं।

न्याय सबके लिए समान होना चाहिए : राहुल

पुणे में कथित तौर पर पॉर्श कार से दो लोगों को कुचलने के मामले में एक अमीर किशोर को जमानत मिलने पर सार्वजनिक आक्र ोश के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर आरोप लगाया कि वह ऐसे दो भारत बना रहे हैं जहां न्याय भी दौलत का मोहताज है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, नरेन्द्र मोदी दो हिंदुस्तान बना रहे हैं गांधी ने अपने पोस्ट के साथ एक वीडियो बयान भी साझा किया, जिसमें उन्होंने कहा कि अगर बस ड्राइवर, ट्रक ड्राइवर, ओला या उबर ड्राइवर गलती से किसी को मार देते हैं, तो उन्हें 10 साल की जेल होती है और उनकी चाबी उठाकर फेंक दी जाती है। लेकिन अगर अमीर घर का 16-17 साल का लड़का शराब पीकर पोर्श गाड़ी चलाता है, और दो लोगों की हत्या करता है, तो उसे निबंध लिखने के लिए कहते हैं। आप बस ड्राइवर या ट्रक ड्राइवर से निबंध लिखने के लिए क्यों नहीं कहते? वे उबर या ऑटो ड्राइवर से इसे लिखने के लिए क्यों नहीं कहते।

दस साल में मोदी सरकार ने किसानों के साथ की ज्यादती : पवार

करनाल में एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद पंवार ने कहा कि भाजपा सरकार ने 10 साल में किसानों के साथ ज्यादतियां की हैं। किसान दिल्ली जाना चाहते थे, लेकिन प्रदेश और केंद्र सरकार ने उनका रास्ता रोका। हालांकि किसानों का संघर्ष मजबूत था इसलिए अंत में सरकार को झुकना पड़ा और किसानों की जीत हुई। अब यही किसान वोट की चोट से सरकार को जवाब देंगे। वे एनसीपी और इनेलो के संयुक्त प्रत्याशी मराठा वीरेंद्र वर्मा की चुनावी जनसभा में बतौर मुख्यातिथि पहुंचे थे। शरद पंवार ने कहा कि भाजपा सरकार और नरेंद्र मोदी ने वादे तो कई किए थे लेकिन उनको पूरा न करते हुए जनता के साथ धोखा किया। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में शिक्षा सहित हर क्षेत्र में अच्छा काम किया पर उन्हें जेल में डाल दिया गया।

सबका साथ लेकर किया सत्यानाश : खरगे

मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि नरेंद्र मोदी नारा देते हैं कि सबका साथ-सबका विकास। सबका साथ लेकर मोदी ने सबका सत्यानाश कर दिया। मोदी देश के किसानों पर कभी कुछ नहीं बोलते। कांग्रेस के चुनाव घोषणा पत्र को मोदी मुस्लिम लीग का घोषणा पत्र बताते हैं। वह कहते हैं कि कांग्रेस सरकार बनी तो लोगों का हक मुसलमानों को दें देंगे। मोदी को पढ़ना नहीं आता है। वह बताएं की कांग्रेस के घोषणा पत्र में यह सब कहां लिखा है। ऐसे ऊंचे पद पर बैठ कर भी वह झूठ बोलते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाईकोर्ट के आदेश को पलटा

» 8 कथित पीएफआई सदस्यों को जमानत देने से इनकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शीर्ष अदालत ने अपराध की गंभीरता और गंभीरता को ध्यान में रखते हुए उच्च न्यायालय के आदेश को पलट दिया। पीठ ने जमानत खारिज करते हुए कहा कि एजेंसी द्वारा हमारे सामने रखी गई सामग्री के आधार पर प्रथम दृष्टया मामला बनता है। शीर्ष अदालत ने त्वरित सुनवाई का निर्देश दिया और आगे कहा कि चूंकि आरोपी की हिरासत की अवधि केवल 1.5 साल थी और जांच के दौरान प्रथम दृष्टया सामग्री एकत्र की गई थी, इसलिए जमानत देने के उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार नहीं रखा जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को प्रतिबंधित आतंकवादी समूह पॉपुलर फ्रंट इंडिया (पीएफआई) से कथित तौर पर जुड़े आठ लोगों को मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा दी गई जमानत रद्द करने का आदेश दिया, यह देखने के बाद कि उनके खिलाफ आरोप प्रथम दृष्टया सही हैं। अक्टूबर 2023 में मद्रास उच्च न्यायालय ने उन 8 लोगों को जमानत दे दी थी जो कथित तौर पर प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन पीएफआई के पदाधिकारी, सदस्य और कैडर थे।

अनुच्छेद 370 से संबंधित अपने आदेश समीक्षा की याचिकाएं खारिज कीं

नई दिल्ली। खारिज उच्चतम न्यायालय ने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाला अनुच्छेद 370 निरस्त करने के केंद्र सरकार के फैसले को सर्वसम्मति से बरकरार रखने के 11 दिसंबर 2023 के अपने आदेश की समीक्षा के लिए दायर याचिकाएं खारिज कर दी हैं। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की पीठ ने समीक्षा याचिकाओं पर विचार किया और उन्हें खुली अदालत में सूचीबद्ध करने के अनुरोध को खारिज कर दिया। पीठ में न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना भी थे। इसने एक मई के अपने आदेश में कहा कि समीक्षा याचिकाओं पर गौर करने के बाद वह इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि उच्चतम न्यायालय नियमावली 2013 के नियम 1 आदेश 47 के तहत समीक्षा के लिए कोई आधार नहीं है, इसलिए समीक्षा याचिकाएं खारिज की जाती हैं। पिछले साल 11 दिसंबर को शीर्ष अदालत ने केंद्र के 2019 के फैसले को बरकरार रखा था।

हेमंत सोरेन को सुप्रीम झटका, कोर्ट ने अंतरिम रिहाई देने से किया इनकार

कथित भूमि घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने बुधवार (22 मई, 2024) को मामले में लोकसभा चुनाव को लेकर सोरेन को अंतरिम जमानत देने से मना कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि निचली अदालत मामले पर संज्ञान ले चुकी है, नियमित बेल याचिका भी खारिज हो चुकी है तो ऐसे में गिरफ्तारी को चुनौती पर सुनवाई का आधार नहीं बनता। दरअसल हेमंत सोरेन ने मामले में ईडी की गिरफ्तारी के खिलाफ और अंतरिम जमानत के लिए कोर्ट में याचिका दाखिल की थी।

भाजपा के खिलाफ उठ रहा जनसैलाब उसे डुबो देगा : अखिलेश

» बोले- छठे चरण में बीजेपी की छंटाई कर देगी जनता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि छठे चरण में जनता भाजपा की छंटाई कर देगी। सपा मुखिया ने संतकबीरनगर में रैली को संबोधित करने के बाद तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर किये। उन्होंने कहा कि छठे चरण में जनता भाजपा के झूठे वादों की कश्ती डुबो देगी और छठे चरण में भाजपा की छंटाई कर देगी।

उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा कि संतकबीरनगर में उमड़ा ये जनसमर्थन बता रहा है कि भाजपा के विरुद्ध उठा ये जन सैलाब भाजपा के कागजी कामों और झूठे वादों की कश्ती डुबो देगा। जनता 'इंडिया गठबंधन' से जिस उम्मीद और भरोसे से जुड़ रही है, हम उसका मान रखेंगे। जनता छठे चरण में भाजपा की भरपूर छंटाई कर देगी। उन्होंने कहा कि इंडिया की सरकार जनता की सरकार।

भाजपा मुद्दों की राजनीति नहीं करती : शिवपाल यादव

सपा नेता शिवपाल यादव ने कहा कि यहां भाजपा सरकार पर वायदा खिलाफी का आरोप लगाया। कहा कि युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है। किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई। पात्रों को उनका हक नहीं मिल पा रहा है। पेपर लीक का भी मुद्दा उठाया। कहा कि भाजपा मुद्दों की राजनीति नहीं कर रही।

मंच टूटा बचे नेता

अंबेडकरनगर जिले के जलालपुर नगर में सभा को संबोधित करने पहुंचे सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव उस समय हादसे का शिकार होने से बच गए जब उनके संबोधन के दौरान ही मंच टूट गया। वे जलालपुर नगर के रामलीला मैदान में सपा प्रत्याशी लालजी वर्मा के समर्थन में जनसभा को संबोधित करने पहुंचे थे।मंच पर भीड़ अधिक होने के कारण उनके संबोधन के दौरान ही मंच एक तरफ का टूट गया। इससे शिवपाल को कुछ देर भाषण रोकना पड़ा। हालांकि, इसके बाद उन्होंने अपना संबोधन पूरा किया।

वोटों के लिए मोदी तमिलों को कर रहे बदनाम : स्टालिन

» रत्न भंडार की चाबी मुद्दे पर पीएम पर बरसे सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष एमके स्टालिन ने ओडिशा में भगवान जगन्नाथ मंदिर के कोषागार की गायब चाबियों को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताई और आरोप लगाया कि यह वोटों की खातिर तमिलों को बदनाम करने का प्रयास है। प्रधानमंत्री मोदी ने ओडिशा में एक रैली में कहा था कि भगवान जगन्नाथ मंदिर के कोषागार की चाबियां तमिलनाडु चली गई हैं।

स्टालिन ने यहां एक बयान में कहा कि मोदी को तमिलों की छवि खराब करने वाली इस तरह की टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने भगवान जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार की चाबियां पिछले छह साल से गायब होने पर चिंता जताते हुए सोमवार को ओडिशा में नवीन पटनायक नीत बीजू जनता दल (बीजद) सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था, पुरी में भगवान जगन्नाथ का मंदिर भी इस सरकार के हाथों में सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा था कि ओडिशा जानना चाहता है कि बीजद ने रत्न भंडार चाबियों पर न्यायिक आयोग की रिपोर्ट को क्यों दबाया। स्टालिन ने आपत्ति जताते हुए आरोप लगाया कि मोदी अपने नफरत भरे भाषणों से लोगों के बीच दुश्मनी और राज्यों के बीच गुस्से की भावना पैदा कर रहे हैं।

उन्होंने रत्न भंडार की चाबियों के गायब होने पर प्रधानमंत्री की टिप्पणियों का जिक्र करते हुए कहा, यह करोड़ों लोगों द्वारा पूजे जाने वाले भगवान जगन्नाथ का अपमान करने के साथ-साथ तमिलनाडु के लोगों का भी अपमान है, जो ओडिशा राज्य के साथ अच्छे संबंध और मित्रता रखते हैं।स्टालिन ने पूछा, क्या प्रधानमंत्री मोदी तमिलनाडु के लोगों को मंदिर का खजाना चुराने वाले चोरों के तौर पर अपमानित कर सकते हैं...क्या यह तमिलनाडु का अपमान नहीं है? तमिलों के प्रति इतनी नापसंदगी और नफरत क्यों है? उन्होंने कहा कि जनता तमिलनाडु में तमिल भाषा और यहां के लोगों की प्रशंसा करने और राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश व ओडिशा जैसे राज्यों में प्रचार करते समय उनके (तमिलनाडु के) बारे में बुरा-भला बोलने के मोदी के दोहरेपन को समझेगी।

भारी मतदान भाजपा के लिए फायदे का संकेत : जितेंद्र सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को दावा किया कि लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में पश्चिम बंगाल में भारी मतदान भाजपा के लिए फायदेमंद साबित होगा।

पश्चिम बंगाल की सात लोकसभा सीटों - बनगांव, बैरकपुर, हावड़ा, उलुबेरिया, सेरामपुर, हुगली और आरामबाग में 20 मई को मतदान हुआ था। केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री सिंह ने कहा, भले ही राष्ट्रीय औसत लगभग 60 प्रतिशत था लेकिन पश्चिम बंगाल में 73 प्रतिशत मतदान हुआ, जिससे भाजपा को स्पष्ट तौर पर लाभ होगा। अत्यधिक गर्मी के बावजूद सातों निर्वाचन क्षेत्रों में उच्च मतदान दर्ज किया गया। लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में पश्चिम बंगाल में उच्च मतदान भाजपा के लिए फायदेमंद साबित होगा। सोमवार को जिन सात निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान हुआ, उनमें सबसे अधिक 76.90 प्रतिशत मतदान आरामबाग लोकसभा सीट पर दर्ज किया गया। बनगांव, बैरकपुर और हुगली सीट पहले से ही भाजपा के पास हैं और पार्टी उन सीटों को बरकरार रखेगी।

संदेशखाली मामले पर भाजपा हुई बेनकाब : ममता बनर्जी

» महिलाओं की दुर्दशा पर दुख : मुख्यमंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बशीरहाट। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि संदेशखाली की महिलाओं की दुर्दशा देखकर उन्हें बहुत दुख हुआ है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को संकटग्रस्त क्षेत्र में महिलाओं की गरिमा के साथ खिलवाड़ नहीं करना चाहिए और उसकी साजिश अब बेनकाब हो गई है। बशीरहाट में एक रैली को संबोधित करने के दौरान बनर्जी ने संदेशखाली में प्रदर्शन करने वाली और भाजपा उम्मीदवार रेखा पात्रा से फोन पर बात करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आलोचना की।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासन में महिलाओं की सुरक्षा और संरक्षा के मामले में देश का रिकॉर्ड सबसे खराब है। संदेशखालि उत्तर 24 परगना जिले में बशीरहाट लोकसभा सीट के अंतर्गत आता है। बनर्जी ने जनवरी में संदेशखाली का मुद्दा सामने आने के बाद इस लोकसभा क्षेत्र की अपनी पहली यात्रा में कहा, संदेशखालि की महिलाओं के साथ जो कुछ भी हुआ और जिस तरह से उन्हें अपमानित किया गया, उसका मुझे खेद है। मैं दिल से अपना दुख व्यक्त करती हूं। उन्होंने कहा कि किसी को भी महिलाओं की गरिमा के साथ खिलवाड़ करने का दुस्साहस नहीं करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अगर वीडियो सामने नहीं आए होते तो लोग कभी नहीं समझ पाते कि भाजपा ने कैसे साजिश रची। ममता ने कहा कि भाजपा को महिलाओं की गरिमा के साथ खिलवाड़ नहीं करना चाहिए। बनर्जी की टिप्पणी सोशल मीडिया पर सामने आ रहे कई वीडियो की पृष्ठभूमि में आई है, जिनमें दावा किया गया है कि एक स्थानीय भाजपा नेता ने संदेशखालि की कई महिलाओं से कोरे कागज पर हस्ताक्षर कराए, जिनका इस्तेमाल बाद में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेताओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज करने में किया गया।

संदेशखाली क्षेत्र का दौरा करेगी टीएमसी प्रमुख

तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि वह जल्द ही संदेशखालि क्षेत्र का दौरा करेंगी। उन्होंने कहा, हमारी पार्टी के उम्मीदवार हाजी नूरुल जैसे ही बशीरहाट सीट से जीतेंगे, कुछ दिन के भीतर मेरी पहली यात्रा संदेशखालि की होगी। मैं वहां के लोगों से मिलने जाऊंगी। बशीरहाट सीट के लिए सातवें चरण में एक जून को मतदान होगा। बनर्जी ने कहा, प्रधानमंत्री किसी को फोन कॉल करते है, पहले से निर्धारित बातचीत करते है और इसके बाद उसे टेलीविजन पर प्रसारित करते है। लेकिन वह वास्तव मे किसने लोगो से इस तरह बात करते है? उनके कार्यकाल मे देश मे महिलाओ के खिलाफ सबसे अधिक अपराध हुए। भाजपा शासित उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के खिलाफ अपराध के लिहाज से पहले स्थान पर है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

भाजपा अब पानी से आप सरकार की कर रही बदनामी : आतिशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में जैसे-जैसे मतदान की तारीख नजदीक आ रही है वैसे-वैसे राजनीतिक सरगर्मियां तेज होती जा रही हैं। दिल्ली की मंत्री आतिशी ने दावा किया कि भाजपा दिल्ली में लोकसभा चुनाव से पहले नई साजिश रच रही है।

आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता आतिशी ने कहा कि भाजपा ने केजरीवाल को फंसाने के लिए स्वाति मालीवाल का इस्तेमाल किया। उन्होंने भाजपा पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि दिल्ली के पानी को रोका जा रहा है।

चुनाव से पहले दिल्ली वालों को परेशान और सरकार को बदनाम करने के लिए हरियाणा दिल्ली का पानी रोकने में लगा है। आतिशी ने कहा कि भाजपा ने हरियाणा सरकार के माध्यम से दिल्ली के पानी को रोक लिया है। दिल्ली में आ रही यमुना की वाटर सप्लाई को रोक दी है। पिछले कुछ दिनों से पानी की कमी की शिकायतें आ रही हैं।

ओडिशा-बंगाल की सियासत से बनेगी आफत!

बीजद व टीएमसी का अब भी है दबदबा

पात्रा व अधीर के बयानों से मचा बवाल

- बीजेपी को चारों ओर से घेरा
- कांग्रेस ने भी अपनी ताकत बढ़ाई
- राज्य की माटी का बेटा बनाम बाहरी का मुद्दा गरमाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पांच चरणों के मतदान हो चुके हैं। इन पांच चरणों की वोटिंग के बाद सियासी पार्टियां अपनी-अपनी जीत का दावा कर रही हैं। इन पांच दौरों में पूर्वी भारत के दो महत्वपूर्ण राज्यों पश्चिम बंगाल व ओडिशा में मतदान हुए। ओडिशा में तो विधान सभा के चुनाव भी हो रहे हैं। दोनों राज्यों में इस समय सियासी संग्राम छिड़ा हुआ है। जहां ओडिशा में बीजू जनता दल(बीजद)की सरकार है वहीं बंगाल में तृणमूल कांग्रेस-(टीमएसी) सत्ता पर काबिज है। एक जगह ममता बनर्जी सीएम हैं तो दूसरी जगह नवीन पटनायक मुख्यमंत्री का पद संभाल रहे हैं। दोनों ही राज्यों बीजेपी विपक्ष के रूप में इन दोनों के खिलाफ मोर्चा ले रही है। हालांकि अटल जी जमाने में दोनों राजग के सहयोगी थे। पर बाद में दोनों की राहें जुदा हो गईं। ममता तो लगभग 20 सालों से अकेले ही झंडा बुलंद की हुईं हैं।

जबकि बीजद बीच-बीच में आती-जाती रहती है। 2024 लोक सभा चुनाव से पहले दोनों के बीच याराना था पर किसी बात को लेकर मत भिन्नता हो गई दोनों का साथ टूट गया। अब दोनों पार्टियां एक दूसरे को घेरने का कोई भी मौका नहीं छोड़तीं हैं। बंगाल में टीएमसी और बीजेपी में तगड़ी राजनैतिक लड़ाई जारी है। दोनों सियासी पार्टियों की अग्नि परीक्षा लोकसभा चुनाव में हो जाएगी। वहीं ओडिशा में 2019 में बीजेपी की लोकसभा सीट की संख्या एक से बढ़कर आठ हो गई थी। ओडिशा में लोकसभा की 21 सीटें हैं। बीजेपी राज्य की राजनीति में बीजू जनता दल के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरी है जबकि किसी समय शक्तिशाली रही कांग्रेस संघर्ष के दौर से गुजर रही है। वहीं बंगाल में 2 सीटों पर सिमटी बीजेपी को 2019 में 18 सीटें हासिल हुई थी। हालांकि सियासी हलकों में चर्चा हो रही है कि इसबार बीजेपी को इन सीटों को बचाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। ओडिशा में कल यानी सोमवार 20 मई को दूसरे चरण की वोटिंग पूरी हो गई। एक ओर देश में 5 वें चरण की वोटिंग थी तो वहीं ओडिशा में दूसरे फेज की। दो चरणों का चुनाव बाकी है। लोकसभा के साथ ही राज्य में विधानसभा के भी चुनाव हो रहे हैं। चुनाव से पहले राज्य में बीजेपी और बीजेडी के बीच गठबंधन की बात चल रही थी और अब कुछ ही दिनों के भीतर कड़वाहट काफी बढ़ गई है। पहले पीएम मोदी की ओर से दिया गया 10 जून वाला बयान और उसके बाद संबित पात्रा की हालिया टिप्पणी के बाद बीजेपी और बीजेडी के बीच राजनीतिक बयानबाजी और भी तेज हो गई है। पुरी लोकसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार संबित पात्रा की राज्य के प्रतिष्ठित देवता को मोदी का भक्त बताने वाली टिप्पणी के बाद ओडिशा के सीएम को हमला करने का मौका मिल गया। जैसे-जैसे राज्य में चुनाव आगे बढ़ रहा है दोनों ओर से अब व्यक्तिगत हमले किए जा रहे हैं। साथ ही दोनों ओर से उड़िया अस्मिता वाली भी बात शुरू हो गई है। नवीन पटनायक और पीएम मोदी की मित्रता की मिसाल दी जाती थी लेकिन अब दोनों नेता एक दूसरे पर हमलावर हैं। मोदी ने कहा कि 10 जून को ओडिशा में बीजेपी का मुख्यमंत्री होगा। इसी दौरान नवीन पटनायक पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि इतने वर्षों से ओडिशा के सीएम पद पर काबिज नवीन पटनायक बिना कागज देखे राज्य के सभी जिलों का नाम नहीं बता सकते। हाल ही में पीएम मोदी से एक इंटरव्यू में गठबंधन और फिर अलग-अलग चुनाव लड़ने को लेकर सवाल पूछा गया। पीएम मोदी ने कहा कि बीजेपी ने 2014 और 2019 के चुनावों में बीजद के खिलाफ चुनाव लड़ा था। राज्य में पार्टी का जनाधार काफी बढ़ा। उन्होंने कहा कि यह हमारी प्रतिबद्धता है कि बीजेपी का जो भी नेता ओडिशा का अगला मुख्यमंत्री बनेगा वह राज्य की माटी का बेटा होगा। राज्य के लोगों ने बीजद को दो दशक से अधिक का समय दिया है और अब वे एक बेहतर विकल्प के हकदार हैं। पीएम मोदी की ओर से उड़िया अस्मिता की ओर भी इशारा किया गया।

बढ़ी बीजद व बीजेपी में कड़वाहट

चुनाव के बीच इस कड़वाहट को कई राजनीति के जानकार सिर्फ चुनाव से जोड़कर देख रहे हैं। केंद्र में सभी छोटे-बड़े मौकों पर नवीन पटनायक की पार्टी ने बीजेपी का साथ दिया। पूर्व में पीएम मोदी ओडिशा के सीएम को अपना मित्र बता चुके हैं तो वहीं नवीन पटनायक मोदी सरकार के दस में आठ नंबर दे चुके हैं। कुछ लोग इसके पीछे पूर्व नौकरशाह और नवीन पटनायक के करीबी पांडियन को भी वजह मानते हैं। नौकरी छोड़ पांडियन अब राजनीति में आ चुके हैं और उनकी गिनती पार्टी में नंबर 2 के नेता के तौर पर हो रही है। पांडियन मूलत:तमिलनाडु के रहने वाले हैं और उनकी सक्रियता को देख बीजेपी ने इसे उडिया अस्मिता से जोड़ दिया है। राज्य में जो गठबंधन नहीं हुआ उसके पीछे एक वजह इसे भी माना गया। वहीं दूसरी ओर यह भी कुछ जानकारों का मानना है कि यह कड़वाहट सिर्फ चुनाव भर के लिए है। वहीं इसके पीछे कुछ लोग कांग्रेस वाला एंगल भी देख रहे हैं। बीजेपी और बीजेडी दोनों साथ आते तो कांग्रेस पार्टी विपक्ष के तौर पर साफ दिखती और राज्य में उसे अपना जनाधार बढ़ाने का मौका मिल जाता। ऐसे में इससे बीजेपी और बीजेडी दोनों को नुकसान पहुंच सकता था इसलिए दोनों दल साथ नहीं आए।

विपक्ष बोला- पात्रा ओडिशा के लिए अपात्र

भाजपा नेता और पुरी लोकसभा सीट से पार्टी के उम्मीदवार संबित पात्रा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भगवान जगन्नाथ पर एक फिसलन भरी टिप्पणी वायरल होने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। वायरल विलप में पात्रा को एक निजी ओडिया चैनल से बात करते हुए दिखाया गया है जहां उन्हें यह कहते हुए सुना जा सकता है कि भगवान जगन्नाथ पीएम मोदी के भक्त हैं। वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए, ओडिशा के मुख्यमंत्री और सत्तारूढ़ बीजू जनता दल के प्रमुख नवीन पटनायक ने कहा, महाप्रभु श्री जगन्नाथ ब्रह्मांड के भगवान हैं। महाप्रभु को दूसरे इंसान का भक्त कहना भगवान का अपमान है। इससे भावनाएं आहत हुई हैं और दुनिया भर में करोड़ों जगन्नाथ भक्तों और उड़िया लोगों की आस्था को अपमानित किया। भगवान जगन्नाथ को उड़िया अस्मिता (गौरव) का सबसे बड़ा प्रतीक बताते हुए पटनायक ने पात्रा के बयान की निंदा की। उन्होंने कहा, ऐसा करके आपने ओडिया अस्मिता को गहरी चोट पहुंचाई है और इसे ओडिशा के लोग लंबे समय तक याद रखेंगे और इसकी निंदा करेंगे। वहीं विपक्ष ने कहा कि पात्र ओडिश के लिए अपात्र हो गए है। हांलाकि बाद में संबित पात्रा ने अपनी टिप्पणी पर सफाई देते हुए इस बात पर जोर दिया कि यह जुबान की फिसलन थी। एक्स पर नवीन पटनायक की पोस्ट का जवाब देते हुए, संबित पात्रा ने लिखा, नवीन जी नमस्कार! आज पुरी में श्री नरेंद्र मोदीजी के रोड शो की भारी सफलता के बाद मैंने कई मीडिया चैनलों को कई बाइट्स दीं, हर जगह मैंने उल्लेख किया कि मोदी जी एक उत्साही व्यक्ति हैं। श्रीजगन्नाथ महाप्रभु के भक्त । एक बाइट के दौरान गलती से मैंने इसका ठीक उल्टा उच्चारण कर दिया। मैं जानता हूं कि आप भी इसे जानते और समझते हैं। उन्होंने कहा, सर, किसी अस्तित्वहीन मुद्दे को मुद्दा न बनाएं। हम सभी की कभी-कभी जुबान फिसल जाती है। धन्यवाद और प्रणाम। एक्स पर एक वीडियो में पात्रा ने कहा कि वह अपनी गलती पर पश्चाताप करने के लिए तीन दिनों तक उपवास करेंगे। आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने भी पात्रा की आलोचना करते हुए उनकी टिप्पणी को भगवान का अपमान बताया। उन्होंने कहा, मैं बीजेपी के इस बयान की कड़ी निंदा करता हूं। उन्होंने सोचना शुरू कर दिया है कि वे भगवान से ऊपर हैं। यह अहंकार की पराकाष्ठा है। मोदी जी को भगवान भक्त कहना भगवान का अपमान है। पात्रा की टिप्पणी को लेकर कांग्रेस ने भी बीजेपी पर निशाना साधा। बीजेपी नेता संबित पात्रा का कहना है कि महाप्रभु भगवान श्रीजगन्नाथ नरेंद्र मोदी के भक्त हैं, यह महाप्रभु का घोर अपमान है।

बंगाल कांग्रेस में उठापटक जारी

कांग्रेस नेतृत्व को पश्चिम बंगाल में एक कठिन स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। इसकी वजह है कि वह राज्य में अपने ही विद्रोही लड़ाकू सिपाही अधीर रंजन चौधरी और वहां उनकी कट्टर प्रतिद्वंद्वी ममता बनर्जी के बीच संतुलन बनाने की सख्त कोशिश कर रही है। एक तरफ अधीर रंजन पश्चिम बंगाल में कांग्रेस प्रमुख हैं तो दूसरी तरफ ममता बनर्जी राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष के इंडिया गुट की अहम हिस्सेदार हैं। अधीर, जो ममता बनर्जी के मुखर आलोचक हैं। अधीर के बयानों पर पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की फटकार के बाद अब प्यार से सवाल उठ रहा है कि आखिर कांग्रेस अपने इस लड़ाकू सिपाही का लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में किस तरह प्रयोग कर रही है। अधीर को उस समय रास्ता मिल गया जब कांग्रेस ने राज्य में लोकसभा चुनाव के लिए तृणमूल कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं किया। पार्टी ने राज्य में ममता की पार्टी की बजाय वाम दलों के साथ चुनाव लड़ने का फैसला किया। राज्य कांग्रेस प्रमुख अधीर रंजन बहरामपुर से पांच बार के लोकसभा सांसद हैं। वे अक्सर ममता बनर्जी के खिलाफ अपने गुस्से से पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व को शर्मनाक स्थिति में डाल देते हैं। पिछले सप्ताह ही अधीर रंजन चौधरी ने कहा था कि ममता बनर्जी पर विश्वास नहीं किया जा सकता है। वह (ममता) भारतीय जनता पार्टी के साथ जा सकती हैं। अधीर ने यह बात तब कही जब टीएमसी इंडिया गठबंधन के साथ हैं।

कांग्रेस को ताकत दे रहें अधीर

अब दो दिन बाद ही खरगे ने अधीर रंजन को कांग्रेस का लड़ाकू सिपाही घोषित कर दिया है। खरगे ने चौधरी के बारे में कहा कि वह हमारे लड़ाकू सिपाही हैं। कांग्रेस अध्यक्ष से सवाल किया गया कि क्या कांग्रेस चौधरी को लेकर भी वही गलती कर रही है, जो उसने 1998 में ममता के साथ की थी, जिन्होंने बंगाल में पार्टी कार्यकर्ताओं पर वामपंथियों के अत्याचारों के विरोध में अपनी पार्टी बनाने के लिए पार्टी छोड़ दी थी। इस सवाल पर खरगे ने कहा कि मैं किसी एक व्यक्ति के बारे में नहीं बोलना चाहता। चौधरी कांग्रेस पार्टी के एक लड़ाकू सिपाही हैं और पश्चिम बंगाल में हमारे नेता हैं। खरगे ने कहा कि टीएमसी के कुछ नेता वाम दल के साथ कांग्रेस के गठबंधन का मुद्दा उठाने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन यह काम नहीं करेगा। खरगे ने कहा कि वे इसे अलग ढंग से पेश करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन ऐसा नहीं होगा क्योंकि कांग्रेस पार्टी मजबूत है और एक दूसरे को समझती है। पश्चिम बंगाल में क्या हुआ है कि कांग्रेस आलाकमान ने वाम दलों के साथ गठबंधन करने का निर्णय लिया है और हम उसी के साथ आगे बढ़ रहे हैं। टीएमसी राज्य में अकेले लोकसभा चुनाव लड़ रही है जबकि कांग्रेस और वाम दल मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं। इससे पहले कांग्रेस के सूत्रों के अनुसार, मुर्शिदाबाद जिले के अपने गृहनगर बहरामपुर में रहने वाले चौधरी ने घटना पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने इस संबंध में पार्टी कार्यकर्ताओं से पुलिस में शिकायत दर्ज की।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

सजा के प्रावधान पर बने स्पष्ट नीति!

ज्ञात हो कि सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आरोपित को दोषी करार दिए जाने के बाद सजा का मामला जज के निजी मत पर निर्भर है। सजा को लेकर कोई समग्र नीति नहीं है, इसलिए मामले में कई बार असमानताएं देखने को मिल रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से कहा है कि इसको लेकर एक समग्र नीति तैयार करे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि आरोपित को दोषी करार दिए जाने के बाद सजा दिया जाना लॉटरी की तरह नहीं होना चाहिए।

शीर्ष अदालत ने सजा पर एक नई नीति बनाने का निर्देश केंद्र सरकार को दिया है। कोर्ट ने कहा कि किसी भी आरोपित को सजा देने से पहले उसके हर पहलू का ध्यान रखना भी जरूरी है। अदालत ने कहा कि भारत में चूकि सजा पर कोई स्पष्ट नीति नहीं है इसलिये इससे आरोपित को सजा देने में जज अपने मन से ही फैसले लेते हैं। अनुच्छेद-14 और 21 के तहत यह बेहद अहम अधिकार है और यह सबको मिला हुआ है। शीर्ष अदालत ने कहा कि सजा पर बहस के दौरान सीआरपीसी की धारा-360 के तहत कोर्ट का दायित्व होता है कि वह तमाम तथ्यों पर विचार करे। इस दौरान आरोपित का व्यवहार आदि भी देखा जाता है। ज्ञात हो कि सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आरोपित को दोषी करार दिए जाने के बाद सजा का मामला जज के निजी मत पर निर्भर है। सजा को लेकर कोई समग्र नीति नहीं है, इसलिए मामले में कई बार असमानताएं देखने को मिल रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से कहा है कि इसको लेकर एक समग्र नीति तैयार करे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि आरोपित को दोषी करार दिए जाने के बाद सजा दिया जाना लॉटरी की तरह नहीं होना चाहिए।

दोषी को सजा दिए जाने के मामले में अभी व्यापक तौर पर विषमताएं हैं और यह पूरी तरह से जज पर निर्भर है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से सिफारिश की है कि वह सजा देने के मामले में एक समग्र नीति तैयार करे। इसके लिए छह महीने में रिपोर्ट पेश हो। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एसवीएन भाटी की बेंच ने कहा कि जज कभी भी दायरे से बाहर नहीं होना चाहिए। दरअसल बिहार में पॉक्सो का मामला दर्ज हुआ था। ट्रायल कोर्ट ने एक ही दिन में सुनवाई पूरी कर दी। आरोप है कि आरोपित को बचाव का मौका नहीं मिला और दो दिनों बाद मामले में फांसी की सजा दी गई। मामला हाई कोर्ट के सामने आया। सीआरपीसी के अलग-अलग प्रावधान का पालन नहीं हुआ। ट्रायल कोर्ट के फैसले को खारिज कर दिया गया और फिर से ट्रायल का आदेश हुआ। इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने अपील खारिज कर दी और निर्देश दिया कि ट्रायल कोर्ट पॉक्सो के तहत ट्रायल पूरा करे। किसी भी आरोपित को जब दोषी करार दिया जाता है तो अदालत सजा पर बहस सुनती है। इस दौरान वह तमाम तथ्यों को देखती है। उसी आधार पर न्यूनतम और अधिकतम सजा दी जाती है। कोर्ट ने कहा कि कनाडा, न्यूजीलैंड, इस्त्राइल, ब्रिटेन में समग्र नीति तैयार है। इसके लिए लॉ कमिशन ने भी 2003 में रिपोर्ट पेश की थी। उसने कहा था कि भारत में सजा देने को लेकर एक समग्र नीति तैयार की जानी चाहिए। अगर सजा को लेकर गाइडलाइंस बनती हैं तो निश्चित तौर पर इसका क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में काफी फायदा होगा। इस फैसले का दूरगामी असर देखने को मिल सकता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आत्मा पर मरहम-सा असरकारी प्रायश्चित

सीताराम गुप्ता

प्रेमचंद ने कहा है कि पश्चाताप के कड़वे फल कभी न कभी सभी को चखने पड़ते हैं। पश्चाताप या पछताना वह मानसिक पीड़ा अथवा चिंता की स्थिति है जो किसी अनुचित काम को करने के उपरांत उसके भयंकर परिणाम या अनौचित्य का ध्यान करके अथवा किसी उचित या उपयोगी कार्य को न करने के कारण उत्पन्न होती है। पश्चाताप एक तरह से अपनी गलती की स्वीकृति की तरह होता है और जब तक हम उस गलती को सुधार नहीं लेते हमें चैन नहीं मिलता। और उस सुधार का नाम है प्रायश्चित। पश्चाताप एक तरह से निदान अथवा डायग्नोसिस होता है और प्रायश्चित उपचार की तरह। शास्त्रों के अनुसार प्रायश्चित वह कार्य अथवा प्रक्रिया है जिसके करने से मनुष्य पाप अथवा अधर्म से छूट जाता है। पाप और पुण्य दोनों हमारे जीवन पर गहरा प्रभाव डालते हैं। सरल शब्दों में, दूसरों को किसी भी रूप में पीड़ा या कष्ट पहुंचाना ही वास्तव में पाप है और ऐसे किसी भी पाप का परिमार्जन ही प्रायश्चित है।

पश्चाताप के कड़वे फल सभी को कभी न कभी चखने पड़ते हैं। मनुष्य गलतियों का पुतला है। अत: गलतियां होना अथवा दूसरों को पीड़ा पहुंचाना स्वाभाविक है। गलतियां होंगी तो कम से कम अच्छे लोगों को पश्चाताप भी होगा ही। यदि हम पश्चाताप की आग में जलते रहते हैं लेकिन उसके प्रायश्चित अथवा परिमार्जन के लिए कुछ नहीं करते तो ऐसा पश्चाताप मात्र ढोंग होगा। यदि हम किसी को पीड़ा पहुंचाते हैं, किसी का आर्थिक शोषण करते हैं अथवा हमारी वजह से किसी का जीवन समाप्त हो जाता है तो ऐसी अवस्था में राज्य का कानून अपना काम करेगा। ये सजा और जुर्माना प्रायश्चित नहीं कहा जा सकता। किसी भी अपराध अथवा गलती के लिए जब हम स्वयं को दंड देते हैं और भविष्य में वैसा कार्य न करने का संकल्प लेते और निभाते हैं तभी प्रायश्चित पूर्ण होता है। प्रायश्चित वास्तव में एक उपचार प्रक्रिया है जिससे हम पश्चाताप की पीड़ा के प्रभाव से मुक्त हो जाते हैं। वास्तविक प्रायश्चित एक विशुद्ध मानसिक प्रक्रिया है।

जब तक हम अपनी गलती नहीं स्वीकार करेंगे उसका सुधार करने की ओर कैसे अग्रसर होंगे? इसके लिए अनिवार्य है कि अपनी मानसिकता को ऐसी बनाएं जिससे भविष्य में कभी अधर्म अथवा अपराध न हों। हम हर छोटी से छोटी बात को देखें और जो भी गलत लगे उसे अपनी मन रूपी स्लेट

से पौंछते रहें। जो सही प्रतीत हो उसे बार-बार लिखते रहें। प्रायश्चित वास्तव में एक सतत तपश्चर्या है। यदि हम इसे अपने जीवन में लागू नहीं करेंगे तो किसी दिन बड़ी गलती अवश्य कर बैठेंगे। सतत तपश्चर्या ही सबसे कठिन होती है लेकिन जो प्रायश्चित के मूल्य को जानते हैं वे सतत तपश्चर्या को जीवन में सबसे अधिक महत्व देते हैं क्योंकि किसी भयंकर भूल का पूर्ण प्रायश्चित संभव ही नहीं। यदि हमारी गलती की वजह से किसी की जीवनलीला समाप्त हो जाती है तो प्रायश्चित कैसे संभव है? हम किसी भी तरह से घटनाओं को वापस उसी अवस्था में नहीं ला सकते। प्रायश्चित का अर्थ है समग्र उपचार अथवा होलिस्टिक हीलिंग। यदि हम गलती, अपराध, पाप अथवा अधर्म करते हैं तो बाह्य दंड पर्याप्त नहीं। जब हम उसे स्वीकार कर स्वयं भी अपने आपको दंड देते हैं तभी प्रायश्चित की प्रक्रिया पूर्ण होती है। स्वयं को स्वयं कैसे दंड दें यह बहुत जटिल है। इसी जटिलता ने प्रायश्चित की प्रक्रिया को लूटतंत्र में बदल दिया है। वास्तविकता है कि हम अपराध करने के बावजूद कानून से बचने का भरसक प्रयास करते हैं। गलतियों को जस्टीफाई करने में लग जाते हैं। यदि हमसे कोई बड़ी गलती अथवा अपराध हो जाता है तो प्रायश्चित का पहला कदम उसे स्वीकार करना ही है। चर्च में पादरी के समक्ष अपने गुनाहों की स्वीकृति अथवा कंफेशन भी यही है। लेकिन मात्र अपराध स्वीकार करने से ही बात नहीं बनती। उस अपराध के दुष्प्रभाव को भी कम करना अनिवार्य है। यदि किसी का आर्थिक नुकसान हो जाता है तो उसकी क्षतिपूर्ति भी अनिवार्य है। लेकिन मात्र क्षतिपूर्ति भी प्रायश्चित नहीं। कई ऐसी स्थितियां होती हैं जिनकी क्षतिपूर्ति संभव ही नहीं। आज जिसे हम प्रायश्चित कहते हैं वह वास्तव में आंशिक क्षतिपूर्ति मात्र है। इससे हमारा पाप न कम होता है, न मिटता है।

पाप अपना प्रभाव छोड़ता है तो पुण्य भी अपना प्रभाव छोड़ता है। पाप के प्रभाव को नष्ट करने के लिए हम व्रत, दान अथवा कर्मकांड आदि जो उपाय करते हैं उससे हमारा पाप कभी नहीं मिट सकता लेकिन कुछ अच्छा करके हम संतुष्टि का अनुभव करते हैं। पाप के प्रभाव की स्वीकृति के कारण जो मानसिक पीड़ा होती है वह हमें चैन से नहीं बैठने देती इसीलिए हम अपने चैन की खातिर ही प्रायश्चित करने को विवश होते हैं। लेकिन हमें चैन नहीं मिल पाता क्योंकि हमारा प्रायश्चित नाममात्र का अथवा दिखावे के लिए होता है।

हेलीकॉप्टर हादसे में रईसी की मौत के बाकी सवाल

पुष्परंजन

इसे तकनीकी भाषा में 'हार्ड लैंडिंग' बोलते हैं। लेकिन वास्तव में वह हेलीकॉप्टर क्रैश ही था, जिस पर ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी सवार थे। उनके साथ ईरान के विदेश मंत्री हुसैन अमीर अब्दुल्लाहियान, जुमे की नमाज अदायगी कराने वाले तबरीज के इमाम मोहम्मद अली आले-हशीम, पूर्वी अजरबैजान के गवर्नर मालेक रहमति जैसे नौ खास लोगों में से कोई भी जिंदा नहीं बच सका, जो 19 मई को पूर्वी अजरबैजान में किज कलासी बांध के उद्घाटन के बाद वतन लौट रहे थे। बचाव दल ने माना है कि हेलीकॉप्टर में कोई नहीं बच सका। ईरान में राजकीय शोक की घोषणा कर दी गई है। दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर को सबसे पहले तुर्की के ड्रोन ने ही लोकेट किया था। तुर्की के ड्रोन ने अजरबैजान की सीमा से लगे तावील गांव की पहाड़ियों में उसके मलबे के पाये जाने की पुष्टि की थी। कुल 18-20 परिवारों का छोटा-सा गांव तावील, पूर्वी ईरान का हिस्सा है, जो वर्जाकन काउंटी में आता है। बकराबाद इसका मुख्यालय है।

यहां पर रूसी और यूरोपीय संघ की खोजी टीमें ईरान की गोल्डन क्रीसेंट के साथ सहयोग के वास्ते आई थीं। अमेरिका की पूरी नजर 'सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन' पर लगी हुई थी। अमेरिकी-इस्त्राइली मंशा को टटोलने वाले तेजी से कयास लगाने लगे कि इस दुर्घटना के पीछे कोई बड़ा खेल हुआ है। इब्राहिम रईसी को बूचर ऑफ तेहरान (तेहरान का कसाई) कहकर कोसने में अमेरिकी-इस्त्राइली मीडिया आगे रहा है। यहूदी मीडिया ने लगातार उन जख्मों को ताजा किया था, जिसमें रईसी के आदेश से सैकड़ों राजनीतिक कैदी मार डाले गये थे। इस हेलीकॉप्टर हादसे पर शक की वजहें भी हैं। 3 जनवरी, 2020 को मेजर जनरल कासिम सुलेमानी बगदाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर ड्रोन हमले में मारे गये थे। वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान किस तरह की हिंसक कार्रवाई होती है, इससे ईरान जैसा देश अच्छी तरह से वाकिफ है। जनवरी, 2020 में ईरानी गुप्तचर सेवा को सीआईए के उस 'विभीषण' का पता लगाने का टास्क दिया गया था, जिसने कुद्स फोर्स के कमांडर मेजर जनरल कासिम सुलेमानी के मूवमेंट की सूचना साझा की थी।

सीआईए या मोसाद जैसी एजेंसियां मिडिल ईस्ट से संबद्ध हर ईमेल, वेबसाइट्स, सोशल मीडिया मैसेजिंग को खंगालती रहती हैं, जो उनका टारगेट होता है। ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के मूवमेंट को गोपनीय क्यों नहीं रखा जा रहा था? यह भी एक बड़ा सवाल है। पिछले महीने 24 अप्रैल को राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी पाकिस्तान आये थे। सबको उनके कार्यक्रम का पता था। पाक-ईरान सीमा पर दोनों तरफ से जो हमले माजी में हुए थे, उसका डैमेज कंट्रोल किया, और आठ ऐसे समझौते किये, जो ऊर्जा-कृषि से इतर ईरान के न्यूक्लियर-मिलिट्री प्रोग्राम को बूस्टर डोज देने वाले थे। इस समझौते को रूस और चीन ने पॉजिटिव माना था, मगर यह बात वाशिंगटन को कहीं न कहीं चुभ रही थी। गजा युद्ध में भी इब्राहिम रईसी की भूमिका सकारात्मक नहीं थी। ईरान लगातार उकसाने वाली कार्रवाई को अंजाम देता रहा।

रईसी 1988 में राजनीतिक कैदियों को फांसी की देखरेख करने वाली एक समिति का हिस्सा थे। पांच महीनों के क्रूर कालखंड में रईसी ने जिस तरह से राजनीतिक विरोधियों को मरवाया, उसने उन्हें ईरानी विपक्ष के बीच अलोकप्रिय बना दिया था। अमेरिका को उन पर प्रतिबंध लगाना पड़ा। वर्ष 1989 में, ईरान के पहले सर्वोच्च नेता अयातुल्ला रूहुल्लाह खुमैनी की मृत्यु के बाद रईसी को तेहरान का अभियोजक नियुक्त किया गया था। खुमैनी के बाद अयातुल्ला खामेनेई जब सर्वोच्च नेता बने, उनकी सरपरस्ती में रईसी लगातार आगे बढ़ते रहे। रईसी 7 मार्च, 2016 को सबसे बड़े धर्मादा 'अस्तान कुद्स रजावी' के अध्यक्ष बने, जिसने उनकी स्थिति को और मजबूत किया। 2017 के राष्ट्रपति चुनाव में पराजय के बाद इब्राहिम रईसी ने जून, 2021 में 62 प्रतिशत वोट लेकर कामयाबी हासिल की थी। इब्राहिम रईसी की एक खासियत यह थी कि वो खुमैनी और खामेनेई, दोनों खेमों का विश्वास हासिल करने में कामयाब रहे थे। 64 साल के इब्राहिम रईसी ने भले ही ईरान-चीन-रूस-सऊदी सहकार को मजबूत किया, पाकिस्तान से आठ समझौते और भारत से चाबहार ट्रिटी कर अपनी विदेश नीति को बैलेंस किया, लेकिन ईरान की घरेलू सियासत में कठोरपंथ और क्रूरता के कॉकटेल का ही सहारा लिया था।

वर्ष 2022 के अंत में, ईरान की मोरल पुलिस की हिरासत में महसा अमिनी की मौत क्रूरता का सबसे बड़ा उदाहरण बन गया था। हिजाब के विरुद्ध खड़ी 22 साल की महसा अमिनी की मौत से लोग सकते में थे। इस क्रूरता के विरुद्ध प्रतिरोध प्रदर्शनों ने ईरान को महीनों तक हिलाये रखा था। महिलाओं ने इस दमन के विरुद्ध अपने हिजाब उतार दिये, या जला दिये। कइयों ने अपने बाल काटकर सोशल मीडिया पर वीडियो साझा किये थे। रईसी शासन ने अशांति फैलाने के आरोप में सात लोगों को सार्वजनिक फांसी दी थी। विदेशी मानवाधिकार संगठनों ने माना कि 500 के आसपास लोगों को बड़ी गुपचुप ढंग से मरवाया, और ताबड़-तोड़ दमनात्मक कार्रवाई की, जिससे 2023 के मध्य तक रैलियां समाप्त हो गईं। लोकतंत्र और व्यक्तिगत आजादी को कुचलने वाले एक क्रूर राष्ट्रपति की मौत पर क्या समस्त ईरान शोक मना रहा है? ईरानी कानून के अनुसार, राष्ट्रपति की मौत हो जाने की स्थिति में उपराष्ट्रपति को कार्यभार सौंपना होगा, और 50 दिनों के भीतर चुनाव कराना होगा।

गर्मी में सावधानी से टालें लू का जोखिम

ग्रीष्म ऋतु में सूर्य की किरणें अत्यंत तीखी होने के चलते वातावरण के तापमान को बढ़ा देती है जिसके परिणाम स्वरूप द्रव्यों से जल का अंश धीरे-धीरे कम होने लगता है। चिकित्सा विशेषज्ञों के मुताबिक, चार महीनों यानी अप्रैल, मई, जून और जुलाई में व्यक्ति को खान - पान ,रहन -सहन में पूरी सावधानी बरतनी चाहिए। विश्व के 245 शहरों के आंकड़े हैं कि हीट वेव के कारण प्रतिवर्ष 12000 लोगों की जान चली जाती है। भारत में हीटवेव के संदर्भ में 640 जिलों में से 10 बहुत अधिक और 97 बहुत जोखिम वाले जिलों की श्रेणी में आते हैं। शोध से ज्ञात हुआ कि तापमान में सामान्य से 10 डिग्री फारेनहाइट की बढ़त से ह्रदय रोग, स्ट्रोक, श्वसन रोग, निमोनिया, निर्जलीकरण, गर्मी से स्ट्रोक और किडनी फेल सहित कई बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। शरीर में पित्त विकार बढ़ने लगते हैं जिनके कारण शरीर में टूटन, सिर दर्द, आंखों में भारीपन, आलस, मूत्र विकार और कमजोरी आ जाती है।

डिहाइड्रेशन से बचने को लें ठंडे पदार्थ

गर्मी के दिनों में डिहाइड्रेशन से बचने के लिए दिन भर में 8 से 10 गिलास पानी अवश्य पीना चाहिए। इसके अलावा लस्सी, केरी का पानी,नारियल पानी, गन्ने का रस, फ्रूट जूस, शिकंजी आदि का सेवन करते रहें। प्रात- जल्दी उठकर 30-40 मिनट ताजी हवा में घूमना चाहिए। ठंडा पानी पीना चाहिए। चाय-कॉफी के स्थान पर दूध,दही व ठंडाई को प्राथमिकता दें। सुबह हल्का नाश्ता लें। सार्वजनिक स्थानों पर पानी स्वच्छ न हो तो वहां पानी नहीं पीना चाहिए। पानी फिटकरी से शुद्ध करके, उबालकर अथवा वॉटर फिल्टर से छानकर पीएं।

पहनावा हो हलका

हल्के रंग के ढीले व सूती वस्त्र पहनें। कपड़े ऐसे हों कि शरीर अधिक से अधिक ढका हो क्योंकि खुले कपड़े पहनने से शरीर की त्वचा झुलस जाती है जिससे ?लू लगने का डर रहता है। सिर को साड़ी, चुन्नी या रुमाल से ढकें व चश्मे का प्रयोग करें। दोपहर में यात्रा से बचें। बाजार के कार्य सुबह जल्दी या शाम के समय करें।

बचाव के देसी नुस्खे

कहते हैं धूप में जा रहे हों तो प्याज को जेब में रखो, लू नहीं लगेगी। मेडिकल साइंस के अनुसार, प्याज एक नेचुरल कूलेंट है। वहीं लू से बचने तथा लू लगने पर केरी का पन्ना लाभदायक है। इसमें पुदीना व जरा सी शक्कर मिलाकर पिएं। गर्मी में इमली का पानी पीना भी लाभदायक रहता है। इमली को भिगोकर उसमें थोड़ा सा गुड़ मिलाकर इसका पानी पिएं।

घर से बाहर जाते समय पानी पीकर तो अवश्य जाएं वैसे लस्सी, शिकंजी या केरी का पानी पीकर निकले। खाली पेट बाहर न निकलें।

प्याज का सेवन

गर्मी में पेट दर्द, उल्टी, एसिडिटी या डायरिया जैसी परेशानी हो तो प्याज खाएं जो गर्मी सोख लेता है। क्योंकि इसमें फाइबर होता है जो पाचन के लिए अच्छा रहता है। यह फाइबर पेट के अच्छे बैक्टीरिया बनता है।

लू लग जाने पर तुरंत राहतकारी उपाय

गर्मी के मौसम में थोड़ी सी लापरवाही लू लगने का कारण बन सकती है। लू गंभीर बीमारी की कारक व जानलेवा भी हो सकती है। अत: गर्मी के दिनों में बहुत ही सावधानी रखें। लू उस समय लगती है जब हमारा शरीर बाहर की गर्मी से अपना सामंजस्य स्थापित नहीं कर पाता है। शरीर का तापमान एकाएक बढ़ जाता है और पसीना निकलना बंद हो जाता है। तलुओ में जलन सी महसूस होती है। बेहोशी आ जाती है। प्राकृतिक चिकित्सक सुनीता जायसवाल के अनुसार, 'लू लगने से चक्कर आने लगते हैं। श्वास लेने में कठिनाई होने लगती है। नब्ज की गति बढ़ जाती है। सिर दर्द ,बदन दर्द और कमजोरी महसूस होती है। इस स्थिति में चादर गीली कर पेशेंट को उस पर लिटाएं। हाथ-पैरों की मालिश करें। तुलसी पत्तों का रस या भुने प्याज का रस पियें, नमक नाभि पर रखे व उस पर पानी की धार बनाकर डालें। इससे लू बाहर निकल जाएगी। इमली का गूदा मसलकर हाथ-पैरों पर मलें, लू का असर जल्दी खत्म हो जाएगा।' रोगी को नींबू पानी, आम पन्ना, बेल का शरबत व इलेक्ट्रॉल पाउडर आदि पिलाते रहें।

हंसना मना है

ताऊ अस्पताल गए इलाज करवाने नर्स :लम्बी साँस लो, ताऊ ने लम्बी सांस लीए नर्स : कैसा महसूस हो रहा है ताऊ : कौण सा परफ्यूम लगा कर आई है मजा आ गया

पापा : बेटा तुम्हारे रिजल्ट का क्या हुआ? पप्पु : पापा 80प्रतिशत आये हैं। पापा : पर मार्कशीट पर 40 प्रतिशत लिखा है? पप्पू : बाकी के 40प्रतिशत आधारकार्ड लिंक होनेपर सीधे अकाऊंट में आएंगे।

बेटा पहली बार एक लड़की को लेकर घर में आया, पिता : कौन है ये लड़की? बेटा : ये मेरी गर्लफ्रेंड है, पिता : श्श्श दूसरे दिन, लड़का किसी दूसरी लड़की के साथ, पिता (गुस्से में) : कौन है ये लड़की? बेटा : रिश्ता वही, आइटम नई।

पिता : बेटा, एक जमाना था जब मैं 10 रुपए लेकर बाजार जाता था और किराना, सब्जी, दूध सब ले आता था। बेटा : पिताजी अब जमाना बदल गया है। आजकल हर दुकान पर सीसीटीवी कैमरे लगे रहते हैं।?

अचानक संजू ने पूछा : पापा ये मर्द कौन होता है? पिता : जो इंसान पूरे घर में अपनी हुकूमत चलाये वो मर्द होता है। संजू : पापा मैं भी बड़ा होकर मम्मी की तरह मर्द बनूँगा।

कहानी | घर का भेद/दो सांप

एक नगर में देवशक्ति नाम का राजा रहता था। उसके पुत्र के पेट में एक साँप चला गया था। उस साँप ने वहीं अपना बिल बना लिया था। पेट में बैठे साँप के कारण उसके शरीर का प्रति-दिन क्षय होता जा रहा था। बहुत उपचार करने के बाद भी जब स्वास्थ्य में कोई सुधार न हुआ तो अत्यन्त निराश होकर राजपुत्र अपने राज्य से बहुत दूर दूसरे प्रदेश में चला गया और वहाँ सामान्य भिखारी की तरह मन्दिर में रहने लगा। उस प्रदेश के राजा बलि की दो नौजवान लड़कियाँ थीं। वह दोनों प्रति-दिन सुबह अपने पिता को प्रणाम करने आती थीं। उनमें से एक राजा को नमस्कार करती हुई कहती थी महाराज! जय हो। आप की कृपा से ही संसार के सब सुख हैं। दूसरी कहती थी-महाराज! ईश्वर आप के कर्मों का फल दे। दूसरी के वचन को सुनकर महाराज क्रोधित हो जाता था। एक दिन इसी क्रोधावेश में उसने मन्त्रि को बुलाकर आज्ञा दी-मन्त्रि ! इस कटु बोलने वाली लड़की को किसी गरीब परदेसी के हाथों में दे दो, जिससे यह अपने कर्मों का फल स्वयं चखे। मन्त्रियों ने राजाज्ञा से उस लड़की का विवाह मन्दिर में सामान्य भिखारी की तरह ठहरे परदेसी राजपुत्र के साथ कर दिया । राजकुमारी ने उसे ही अपना पति मानकर सेवा की। दोनों ने उस देश को छोड़ दिया। थोड़ी दूर जाने पर वे एक तालाब के किनारे ठहरे। वहाँ राजपुत्र को छोड़कर उसकी पत्नी पास के गाँव से घी-तेल-अन्न आदि सौदा लेने गई। सौदा लेकर जब वह वापिस आ रही थी, तब उसने देखा कि उसका पति तालाब से कुछ दूरी पर एक साँप के बिल के पास सो रहा है। उसके मुख से एक फनियल साँप बाहर निकलकर हवा खा रहा था। एक दूसरा साँप भी अपने बिल से निकल कर फन फैलाये वहीं बैठा था। दोनों में बातचीत हो रही थी। बिल वाला साँप पेट वाले साँप से कह रहा था-दुष्ट! तू इतने सर्वांग सुन्दर राजकुमार का जीवन क्यों नष्ट कर रहा है? पेट वाला साँप बोला-तू भी तो इस बिल में पड़े स्वर्णकलश को दूषित कर रहा है। बिल वाला साँप बोला-तो क्या तू समझता है कि तुझे पेट से निकालने की दवा किसी को भी मालूम नहीं। कोई भी व्यक्ति राजकुमार को उकाली हुई कांजी की राई पिलाकर तुझे मार सकता है। पेट वाला सांप बोला, तुझे भी तो गर्म तेल डालकर कोई भी मार सकता है। इस तरह दोनों ने एक दूसरे का भेद खोल दिया। राजकन्या ने दोनों की बातें सुन ली थीं । उसने उनकी बताई विधियों से ही दोनों का नाश कर दिया। उसका पति भी नीरोग होगया और बिल में से स्वर्ण-भरा कलश पाकर गरीबी भी दूर हो गई। तब, दोनों अपने देश को चल दिये। राजपुत्र के माता-पिता दोनों ने उनका स्वागत किया ।

3 अंतर खोजें

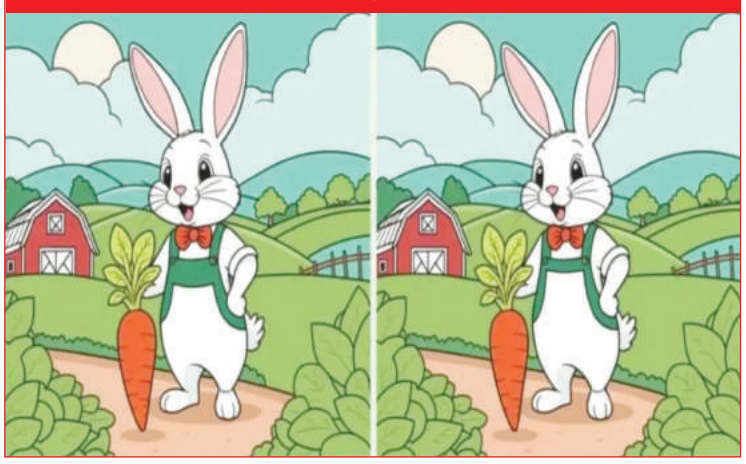

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज कोई गलती ऐसी ना करें जिस कारण आपको पुलिस या न्यायालय के चक्कर लगाने पड़े। आपके करियर को मजबूत करने में पारिवारिक पृष्ठभूमि की अहम भूमिका रहने वाली है।

वृषभ

आज नौकरी में कोई ना कोई बाधा उत्पन्न होगी जिस कारण आप जॉब चेंज करने की योजना बनायेंगे। काफी दिनों से जो काम टल रहा था, वह आज होने की प्रबल उम्मीद है।

मिथुन

आज आपके खास लोग कार्य क्षेत्र में आपकी नीतियों का विरोध करेंगे। आप सभी मिलकर किसी सहकर्मी की दवा कराने में आर्थिक मदद करेंगे।

कर्क

आज कार्यक्षेत्र में बदलाव होगा। कुछ लोगों का स्थान परिवर्तन भी होता हुआ दिख रहा है। नए व्यापार की शुरूआत कर सकते हैं। पारिवारिक मित्र और रिश्तेदारों के साथ आज गेट टूगेदर पार्टी करेंगे।

सिंह

आज बहुत बड़े राजनीतिक प्रभावशाली और आर्थिक संपन्न लोगों के साथ मंच साझा करने का मौका मिलेगा। आज व्यापार में कोई नया अनुबंध ना करें।

कन्या

प्रशासनिक सेवा में लगे हुए लोगों को राजनीतिज्ञों का विरोध झेलना पड़ेगा। आज आपके द्वारा कोई ऐसा कृत्य हो सकता है, जिससे शर्मिंदा होना पड़ेगा।

तुला

आज आपने जो किया है, उसका फल प्राप्त होगा। अच्छा किए हैं तो अच्छा फल मिलेगा बुरा किया है तो बुरा फल मिलेगा। व्यापार में आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक

आज विदेश जाने का अवसर मिलेगा। लक्ष्य पूर्ण होने पर आपको एक मंच पर सभी लोगों के सामने सम्मानित किया जाएगा और कुछ उपहार दिया जाएगा।

धनु

आज कार्यस्थल पर कोई सहयोगी आपको नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर सकता है, सतर्क रहें। व्यापार के लिए आज सामान की खरीददारी करने जाएंगे।

मकर

आज आप अपनी कंपनी में नए लोगों की नियुक्ति करेंगे। पारिवारिक संपत्ति से भी आय के साधन बनेंगे। आज आप परिवार सहित किसी के यहां पार्टी में जाएंगे और इंजॉय करेंगे।

कुम्भ

आज आपको प्रतिस्पर्धियों पर बढ़त हासिल करने के लिए ज्यादा प्रयास नहीं करना पड़ेगा। परिवार के साथ समय बिताने से जीवन की नीरसता खत्म हो जाएगी।

मीन

कुछ लोग अपनी नौकरी से रिजाइन करेंगे। कुछ लोगों को कंपनी द्वारा निकाला भी जाएगा। व्यापारी वर्ग के लोग आज साप्ताहिक बंदी का आनंद लेंगे और परिवार सहित कहीं घूमने जाएंगे।

नया शो 'माटी से बंधी डोर' में वैजयंती के रोल में दिखेंगी ऋतुजा

स्टार प्लस नए वेंचर में कदम रखा है, जिसमें ऋतुजा बागवे और अंकित गुप्ता लीड रोल में हैं। ऋतुजा बगवे माटी से बंधी डोर में वैजयंती (वैजू) का किरदार निभा रही हैं, जबकि अंकित गुप्ता रणविजय की भूमिका में नजर आने वाले हैं।

स्टार प्लस का शो माटी से बंधी डोर महाराष्ट्र के कोल्हापुर की बैकड्रॉप में सेट कहानी है। यह वैजू की कहानी है, जो खेतों में काम करके अपने परिवार का साथ देती है। लेकिन उसकी किस्मत में कुछ और ही है। वैजू परिवार से जुड़ी, मेहनती और सपनों की बुनियाद पर खड़ी है। उसका लक्ष्य है अपनी जीवनशैली को सुधारकर गांव की उन्नति में योगदान देना।

रणविजय भी परिवार से जुड़ा हुआ है, उसका स्वभाव दोस्ती का है और वो लोगों को मनाने में माहिर है। शो के मेकर्स ने अपना पहला दिलचस्प प्रोमो रिलीज किया है, जिसमें वैजयंती को खेत जोतते हुए दिखाया गया है। उसके साथ उसकी माँ भी है, जो वैजयंती को एक शादी के रिश्ते के बारे में बताती है। वैजू फिर रणविजय से मिलती है, जो एक सरपंच का बेटा है, और सोचती है कि शायद यह वही है जिसके साथ शादी करने के लिए रिश्ता आया है, लेकिन रणविजय का जवाब सुनकर उसका दिल टूट जाता है। रणविजय को यकीन नहीं होता कि वैजू उसे शादी के लिए उम्मीदवार के रूप में देख रही है, क्योंकि उसकी सोच में एक खूबसूरत औरत को लेकर अलग ही विचार हैं। स्टार प्लस के शो माटी से बंधी डोर की लीड एक्ट्रेस ऋतुजा बागवे, कहती हैं, स्टार प्लस के शो माटी से बंधी डोर का हिस्सा बनना मेरे लिए एक शानदार मौका है और यह पहली बार है जब मैं हिंदी जॉनर में कदम रख रही हूं। मैं स्टार प्लस के साथ काम करके खुद को खुशकिस्मत महसूस कर रही हूँ। मैं वैजयंती का किरदार निभा रही हूँ, जिसे प्यार से वैजू कहा जाता है। वैजू अपने परिवार का पेट पालने के लिए खेतों में काम करती है। वैजू एक स्वतंत्र लड़की है, वह एक ऐसा जीवनसाथी चाहती है जो उनके बैकग्राउंड को समझे और उस पर प्यार बरसाए। बता दें कि माटी से बंधी डोर 27 मई को स्टार प्लस पर सोमवार से रविवार तक शाम 7.30 बजे प्रसारित होगा।

भंसाली के पास कुछ ऐसे एनर्जेज हैं जो उनकी जिंदगी को मुश्किल बना दिया है

संजय लीला भंसाली इन दिनों लगातार खबरों में बने हुए हैं। भंसाली की हालिया रिलीज हीरामंडी हर तरफ चर्चा का विषय बनी हुई है। दुनिया भले उन्हें एक बेहतरीन डायरेक्टर के रूप में जानती हो मगर वो अपने लिए कुछ अलग सोचते हैं। हाल ही में मीडिया के साथ बातचीत में उन्होंने खुद को लेकर कई अनसुने और हैरान करने वाले किस्सों का खुलासा किया।

हाल ही में मीडिया के साथ बातचीत में संजय ने बताया कि उन्हें साधारण काम करने में भी दिक्कत आती है। वह बोले, मेरी जिंदगी हर दिन कठिनाइयों से भरी है। यहां तक कि मेरे लिए टीवी खोलना भी मुश्किल है। यह इतना कठिन है कि कोई आकर मेरे लिए टीवी खोलता है, लेकिन मुझसे ये ऑन नहीं होता। मैं लाइट जलाता हूं तो बल्ब चला जाता है। मैं किसी कमरे में घुसता हूं तो कंप्यूटर क्रैश हो जाता है। मेरी पास कुछ एनर्जीज हैं जिन्होंने मेरी जिंदगी को मुश्किल बना रखा है।

हीरामंडी में काम करने वाले कई एक्टर्स बता चुके हैं कि कुछ सीन करने में उन्हें कई रीटेक देने पड़े। संजय को लोग परफेक्शनिस्ट मानते हैं। इस पर वह बोले, परफेक्शन आपको कभी नहीं मिल सकता। आप परफेक्ट रिलेशनशिप चाहते हैं, आपको कभी नहीं मिलेगा। आप जो पाने का सोचते हैं वो सब भ्रम है धोखा है।

संजय लीला भंसाली के सेट्स काफी शानदार होते हैं लेकिन असल जिंदगी में वह लग्जरी जिंदगी नहीं जीते। वह भी सलमान खान की तरह छोटे से घर में रहना चाहते हैं। उन्होंने एक पुरानी घटना बताई, उस वक्त देवदास देखकर रेखा उनसे मिलना चाहती थीं। संजय ने बताया, मैं मैट्रेस पर सोता था। एक दिन रेखाजी देवदास देखकर बोलीं कि वह फिल्ममेकर से मिलना चाहती हैं। मैंने कहा, आपको निराशा होगी, वह फिर भी आ गईं। उन्होंने दरवाजा खोला तो यह छोटी सी जगह दिखी, मैंने उनसे कहा, मैं यहां सोता हूं और यहीं फिल्में बनाता हूं। मुझे कभी नहीं लगा कि मुझे बेडरूम या लग्जरी चाहिए।

बॉलीवुड | मन की बात

मेरे पापा मुझे बड़े लड़कों से कुश्ती करवाते थे : अक्षय

अक्षय कुमार ने अपने पिता से जुड़ा एक किस्सा याद करते हुए बताया कि किस तरह उनके पिता ने पड़ोस के तंदुरुस्त और बड़े लड़कों के साथ उनकी कुश्ती की प्रैक्टिस करवायी थी। अक्षय कुमार के पिता हरि ओम भाटिया पहलवान थे। अक्षय क्रिकेटर शिखर धवन के टॉक शो धवन करेंगे में गेस्ट के तौर पर शामिल हुए और अपनी हेल्दी लाइफस्टाइल बनाए रखने के बारे में बात की। साथ ही खुलासा किया कि उन्हें प्रेरणा कहां से मिलती है। अभिनेता ने अपने पिता का एक किस्सा शेयर किया, मैं हमेशा से स्पोर्ट्स में एक्टिव रहा हूं और हर किसी को सुझाव देता हूं कि अपने जीवन में कम से कम एक स्पोर्ट जरूर शामिल करें। मेरे पिता, जो पंजाब के पहलवान और सेना में थे, पड़ोस के उन लड़कों को बुलाते थे, जो मुझसे उम्र में बड़े और तंदुरुस्त थे, और उनके साथ कुश्ती का अभ्यास कराते थे। उन्होंने कहा, वह हमें प्राइज के तौर पर कैडबरी चॉकलेट देते थे। मैंने इन चुनौतियों का आनंद लिया क्योंकि पिताजी हमेशा हमें नई तरकीबें सिखाते थे। अक्षय ने आगे कहा, हम सब स्कूल के लिए जल्दी उठते थे, कहीं न कहीं, यह चलन भी बन गया। जल्दी उठना एक आदत बन गई है, और मैं इसका आनंद लेता हूं। मैं सुबह के उन शांत दो घंटों को अपने लिए संजोकर रखता हूं। मैं तुरंत एक्सरसाइज के लिए नहीं जाता, मुझे सबसे पहले घर पर आराम करना अच्छा लगता है। धवन करेंगे जियो सिनेमा प्रीमियम पर प्रसारित हो रहा है।

ये है उड़ने वाली मछली, शिकार से बचने के लिए पक्षियों की तरह उड़ने में है माहिर

मछलियां आपने भी देखी होंगी, लेकिन क्या कभी उड़ने वाली मछली देखी है? अगर नहीं देखी तो आज हम आपको ऐसी ही एक मछली के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके पास ये असाधारण क्षमता होती है। इसका नाम है फ्लाइंग फिश। नाम से ही आपको इस मछली के बारे में पता चल गया होगा। लेकिन क्या सच में यह पक्षियों की तरह उड़ने में माहिर है? आइए जानते हैं इसके बारे में इंट्रेस्टिंग फैक्ट। फ्लाइंग फिश की सात प्रजातियां धरती पर हैं। इनमें पक्षियों की तरह ही लंबे-लंबे पंख होते हैं। ज्यादातर ये मछलियां महासागरों में पाई जाती हैं और 200 मीटर की गहराई में रहती हैं। मुख्य रूप से ये मछलियां प्लवक खाकर अपना पेट भरती हैं। ये काफी तेज और फुर्तीली होती हैं। जब कोई शिकार इन पर हमला करता है, या इन्हें ऐसा कुछ भी महसूस होता है, तो ये अपनी रीढ़ की हड्डी को अपने हिसाब से कर लेती हैं।

अब सवाल क्या ये सच में उड़ती हैं? वैसे तो यह मछली ज्यादातर पानी में ही रहना पसंद करती है। लेकिन इनमें लंबी छलांग लगाने या कहें उड़ने की अविश्वसनीय क्षमता मौजूद होती है। फ्लाइंग फिश पानी के बाहर छलांग लगाती हैं और अपने पंखों को फैलाकर काफी दूरी तक उड़ सकती हैं। पंखों का आकार विमानों के विंग्स की तरह काम करते हैं, जो इन्हें हवा में टांगे रखता है। फ्लाइंग फिश को एक बार में 45 सेकेंड तक 'उड़ते' हुए रिकॉर्ड किया गया है। यह लगभग 180 फिट तक जा सकती हैं। ऐसा माना जाता है कि शिकारियों से बचने के लिए फ्लाइंग फिश ऐसा करती रही हैं। ट्यूना और स्वोर्डफिश बेहद चुस्त और तेज शिकारी हैं, जो इन्हें अपना शिकार बनाती हैं। इनसे बचने के लिए फ्लाइंग फिश यह आक्रामक तरीका अपनाती हैं। कभी कभी ये नावों पर कूद जाती हैं, ताकि जान बचा सकें। लेकिन पक्षियों के खिलाफ यह काम नहीं करता। फ्रिगेट पक्षी अक्सर ऊपर से घात लगाकर बैठे रहते हैं, और बहुत ऊंची छलांग लगाने वाली किसी भी उड़ने वाली मछली को मार गिराने के लिए तैयार रहते हैं।

अजब-गजब | घर के अंदर पाया जाता है यह जीव

डायनासोर से भी मजबूत है कॉकरोच परमाणु युद्ध में भी रह सकते हैं जिंदा

कॉकरोच को दुनिया का सबसे पुराना कीट माना जाता है। इसके जैसे सबसे विचित्र कीट शायद ही कोई दूसरा हो। ऐसा दावा किया जाता है कि ये साइज में भले छोटे हैं, लेकिन डायनासोर से भी ज्यादा ताकतवर होते हैं। लात मारने पर भी ये जिंदा रहते हैं। इतना ही नहीं, दुनिया में ऐसी कोई चीज नहीं है, जो इनका भोजन न हो। ये हर जगह पाए जाते हैं। इनमें गजब की क्षमता होती है। अगर कोई इनके एक पैर को पकड़ ले तो ये कॉकरोच उस पैर को तुरंत अपने शरीर से अलग कर देते हैं, ताकि भाग सकें। उस जगह पर फिर से नए पैर निकल आएंगे। इनमें कई अद्भुत और अनोखे गुण मौजूद हैं। कुदरत ने कॉकरोच को ये अजीबोगरीब गुण दुश्मनों से बचाने के लिए दिया है। कॉकरोच में खुद को बचाने के सारे गुण हैं। अगर धरती पर परमाणु युद्ध भी हो जाए तो भी वे जीवित रहेंगे और शायद चूहे भी उनका साथ निभाने के लिए जीवित बचे रहेंगे। वैज्ञानिकों का कहना है कि छोटे से शरीर वाला कॉकरोच विशाल डायनासोर से भी ज्यादा मजबूत होते हैं। शायद इसी वजह से जब धरती से एस्टेरॉयड टकराया और डायनासोर गायब हो गए, तब भी कॉकरोच जिंदा बचे रहे। कॉकरोच अपने शरीर को आश्चर्यजनक रूप से संकुचित भी कर सकते हैं, क्योंकि उनका शरीर बहुत

सपाट होता है। इस वजह से वे खुद को कई ऐसे जगह पहुंचा सकते हैं जहां बाहरी प्रभाव नहीं पहुंच पाता है। वे संकीर्ण दरारों में भी घुस जाते हैं, जहां दुश्मन के लिए प्रवेश करना असंभव है। इसी क्षमता ने उन्हें चिक्सुलब टकराव से बचने में मदद की। जब टकराव हुआ तो पृथ्वी का तापमान अचानक बढ गया। बहुत से जानवरों को कहीं छिपने की जगह तक नहीं मिली। लेकिन कॉकरोच गर्मी से बचने के लिए मिट्टी की दरारों में छिप गए, जो ऊष्मा से बचने की एक बढ़िया जगह है। आपको जानकर हैरानी होगी, लेकिन बता दें कि अगर आपने किसी कॉकरोच को अपने जूतों से भी रौंद दिया, तब भी वो जीवित रहेंगे। उन्हें जैसे ही खतरे का अहसास होता है, वे सिकुड़कर गोलाकार हो जाते हैं। तब उन्हें देखने में ऐसा लगता है मानो कोई गोल चीज पड़ी हुई हो। अंटार्कटिका को छोड़ दिया जाए, तो दुनिया में ऐसी कोई जगह नहीं है, जहां पर ये कॉकरोच नहीं पाए जाते हैं। अगर अंटार्कटिका में भी इन्हें छोड़ दिया जाए, तो ये भीषण ठंड में भी 3 दिन तक जीवित रह सकते हैं। इन्हें हर जगह पाए जाने का रहस्य यह है कि वे हर चीज को पचा लेने में सक्षम हैं। आपको जानकर ताज्जुब होगा, लेकिन बता दें कि आप जिसके बारे में सोच भी नहीं सकते हैं, ये कॉकरोच उसे भी खा सकते हैं। साबुन, वॉल पेपर, पेंट, डाक टिकटों के लिए गोंद, कपड़ा, किताबों की बाइंडिंग, टीवी के अंदर केबल और भी बहुत कुछ उनके खान-पान में शामिल होता है। नदियों और नहरों में भी इन कॉकरोचों को उनके पसंद का भोजन मिल जाता है। कॉकरोच को विश्व का सबसे पुराना कीट माना जाता है। वे लगभग 35 मिलियन वर्षों से इस धरती पर हैं। उन्होंने अपनी आंखों से विशालकाय डायनासोरों को जन्म लेते, धरती पर राज करते और फिर गायब होते देखा। जब हमारे पूर्वजों ने वहां शरण ली थी, तब कॉकरोच भी वहां मौजूद थे। वैज्ञानिकों के अनुसार कॉकरोच आज के हजारों कीड़ों का पूर्वज रहा है। आश्चर्य की बात है कि इन अरबों वर्षों में भी कॉकरोचों में नाममात्र का परिवर्तन ही हुआ है, वो यह कि केवल उनका आकार छोटा हुआ।

चार जून को 20 साल बाद 2004 जैसा क्षण देखने को मिलेगा : रमेश

» मोदी के सांप्रदायिक पिच पर उनके खिलाड़ियों ने खेलने से किया इंकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि आगामी जून को लोकसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) को स्पष्ट जनादेश मिलने के साथ ही 2004 जैसा क्षण देखने को मिलेगा और इस गठजोड़ के शानदार प्रदर्शन का एक कारण उत्तर प्रदेश में होने वाला बहुत प्रभावशाली बदलाव है। रमेश ने यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक सांप्रदायिक पिच तैयार कर रहे थे लेकिन उनकी पार्टी ने इस पर खेलने से इनकार कर दिया और उनकी गुगली और बाउंसर को भी विफल कर दिया।

उन्होंने विश्वास जताया कि चार जून को नतीजे वाला दिन 2004 के क्षण की याद दिलाएगा जब भारतीय जनता पार्टी अपने इंडिया शाइनिंग (भारत उदय) अभियान के बावजूद सत्ता से बेदखल हो गई थी। उनका कहना है, यह 2004 का क्षण है, आप देखेंगे। लोग मुझसे पूछते रहते हैं कि प्रधानमंत्री कौन होगा। मुझे आपको याद दिलाना होगा कि 2004 के चुनाव के नतीजे 13 मई, 2004 को आए थे। 17 मई तक यह स्पष्ट हो गया था कि मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। इस बार यह और भी जल्दी हो सकता है। वैसे यह भारत में चुनाव कोई सौंदर्य प्रतियोगिता नहीं है या फिर कोई कौन बनेगा पीएम नहीं है, यह इस बारे में है कि किस गठबंधन को जनादेश मिलेगा।

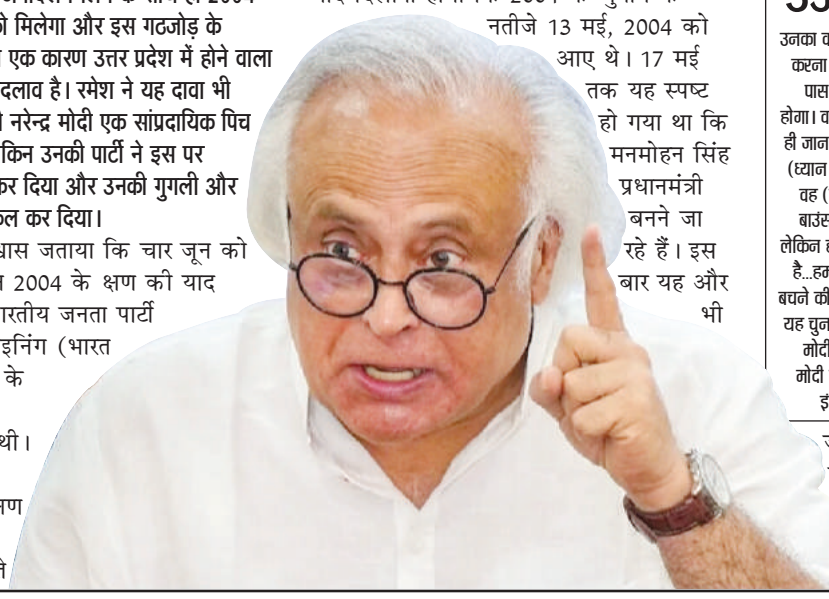

हम एक दल केंद्रित लोकतंत्र

रमेश ने कहा, हम एक दल केंद्रित लोकतंत्र है। हम अमेरिकी प्रणाली की तरह नही है, यह व्यक्तियो के बीच एक सौदर्य प्रतियोगिता नही है, यह पार्टियो के बीच का एक चुनाव है। रमेश ने यह विश्वास भी जताया कि उत्तर प्रदेश मे आश्चर्यजनक बदलाव आएगा। कांग्रेस महासचिव ने उत्तर प्रदेश मे लोकसभा की 80 सीट होने का उल्लेख करते हुए कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व वाली भारत जोड़ो न्याय यात्रा को प्रयागराज, वाराणसी, प्रतापगढ़, लखनऊ, अमेठी, रायबरेली, अलीगढ़, मुरादाबाद और अमरोहा जैसी जगहो पर जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी। उन्होने कहा कि उत्तर प्रदेश मे युवा, महिलाएं, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ओबीसी यात्रा के समर्थन मे सामने आए थे। कांग्रेस नेता का कहना था, मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री से पूरी तरह मोहभंग हो गया है क्योकि लोग उनसे तंग आ चुके है। वह (मोदी) थक चुके है और उनका असर फीका पड़ गया है। चार जून को जब नतीजे आएंगे तो हमारे शानदार प्रदर्शन मे योगदान देने वाले बुनियादी कारको मे से एक उत्तर प्रदेश मे बेहद प्रभावशाली बदलाव के रूप मे सामने आएगा।

3डी के महारथी हैं पीएम

उनका कहना था, मै क्रिकेट की भाषा का बहुत अधिक उपयोग नही करना चाहता। एक पिच है जिसे वह हर रोज तैयार करते है, हमारे पास अभी भी नौ दिन और है। चुनाव प्रचार 30 मई को समाप्त होगा। वह सांप्रदायिक पिच पर क्या नई चीजे लाएंगे, यह केवल वह ही जानते है, क्योकि वह 3डी- डिस्टॉर्शन (विकृत करने), डाइवर्जन (ध्यान भटकाने) और डिफामेशन (बदनाम करने) के महारथी है। वह (प्रधानमंत्री मोदी) गुगली फेंकने की कोशिश कर रहे है, वह बाउंसर फेंकने की कोशिश कर रहे है, वह बॉडीलाइन कर रहे है, लेकिन हमने उनकी गुगली, बाउंसर से सफलतापूर्वक पार पा लिया है...हमने उन पर कुछ गुगली और बाउंसर फेंकी है, जिससे उसने बचने की कोशिश की, लेकिन वह बच नही पाए। रमेश के मुताबिक, यह चुनाव जनता बनाम मोदी है, सिर्फ इंडिया का जनबंधन बनाम मोदी नही है। यह चुनाव किसान बनाम मोदी है, महिला बनाम मोदी है, मजदूर बनाम मोदी है, युवा बनाम मोदी है। यह सोशल इंजीनियरिंग है, एससी, एसटी, ओबीसी मोदी के खिलाफ है।

बृजभूषण पर महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न में चलेगा मुकदमा

» कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष पर आरोप तय

» भाजपा सांसद बोले मैं बेगुनाही का सबूत दे चुका हूं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने महिला पहलवानों द्वारा दायर एक आपराधिक मामले में भाजपा सांसद व भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न, धमकी और महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने के आरोप तय कर दिए। अदालत ने अभियोजन पक्ष को आरोपियों के खिलाफ मुकदमा शुरू करने का निर्देश दिया है।

कोर्ट से बाहर आने पर बृजभूषण ने कहा कि मैं पहले ही अपनी बेगुनाही का सबूत दे चुका हूं। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट (एसीएमएम) प्रियंका राजपूत के समक्ष पेश आरोपियों ने पूछने पर अपना अपराध स्वीकार करने से इनकार करते हुए स्वयं को बेकसूर बताते हुए मुकदमे का सामना करने का तर्क रखा। सह-आरोपी और डब्ल्यूएफआई के पूर्व सहायक सचिव विनोद तोमर के खिलाफ आपराधिक धमकी का आरोप भी तय किया गया है। कोर्ट से बाहर आने पर पत्रकारों के सवालों के जवाब देते हुए बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि मेरे ऊपर अभी चार्ज फ्रेम हुआ, जो आरोप लगाए गए हैं उसे अब पुलिस को साबित करना है। मेरे पास अपनी बेगुनाही के पूरे सबूत हैं। उनकी टिकट काटे जाने को लेकर किए गए एक सवाल पर बृजभूषण ने कहा कि मेरे बेटे टिकट मिल गया है।

कन्हैया कुमार पर हमला करने वाले आरोपी को मिली जमानत

उत्तर पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट से गठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी कन्हैया कुमार के साथ बदसलूकी करने और उन पर स्याही फेंकने वाले को अदालत ने जमानत दे दी है। घटना पिछले शुक्रवार की है जब कुमार न्यू उस्मानपुर इलाके में एक चुनावी कार्यक्रम में हिस्सेदारी कर रहे थे। इससे पहले दिल्ली पुलिस ने इस मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया था। जानकारी के मुताबिक उत्तर पूर्वी दिल्ली से कांग्रेस उम्मीदवार कन्हैया कुमार न्यू उस्मानपुर के 4 पुश्ता पर स्वामी सत्यनारायण भवन में आप कार्यालय में बैठक कर रहे थे। डीसीपी उत्तर पूर्वी जॉय तिर्की ने कहा कि उत्तर पूर्वी दिल्ली से कांग्रेस उम्मीदवार कन्हैया कुमार पर स्याही फेंकने के आरोप में अजय कुमार को गिरफ्तार किया गया था। 17 मई को कन्हैया आप कार्यालय में एक बैठक में थे।

सिसोदिया की सीबीआई और ईडी मामलों में जमानत अर्जी खारिज

कथित दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हाईकोर्ट ने दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आप नेता मनीष सिसोदिया द्वारा दायर जमानत याचिका खारिज कर दी। सिसोदिया ने सीबीआई और ईडी द्वारा जांच किए जा रहे मामलों में जमानत मांगी थी। हालांकि, कोर्ट ने सिसोदिया को सप्ताह में एक बार अपनी बीमार पत्नी से मिलने की अनुमति दी है। अदालत ने कहा, सिसोदिया ने सत्ता का दुरुपयोग किया और जनता का भरोसा तोड़ा। कोर्ट ने आशंका जताई कि जमानत मिलने पर सिसोदिया सबूतों से छेड़छाड़ कर सकते हैं। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से दर्ज मामलों में सिसोदिया की दूसरी जमानत याचिका खारिज कर दी। दोनों मामलों में सिसोदिया फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। हालांकि, कोर्ट ने कहा कि ट्रायल कोर्ट की यह टिप्पणी कि आरोपी व्यक्तियों की ओर से मुकदमे में देरी करने के लिए ठोस प्रयास किया गया था, उचित नहीं है।

370 हटाने के विरोध में बारामुला में अधिक हुआ मतदान : उमर अब्दुल्ला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू कश्मीर। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अनुच्छेद 370 को हटाने के विरोध के चलते बारामुला लोकसभा सीट पर लोगों ने अधिक मतदान किया। उमर ने कहा कि लोगों ने अपने वोटों के माध्यम से अपनी अभिव्यक्ति दर्ज कराई है। वहीं, दूसरी ओर, भाजपा ने शीर्ष नेताओं का कहना है घाटी में अधिक मतदान 370 को निरस्त करने के कारण हुआ है। इससे कश्मीर में बदलाव हुआ है और स्थिति सामान्य हई है। उमर अब्दुल्ला ने कहा, हम जानते हैं कि स्थिति कितनी अच्छी है। दो दिन पहले शोपियां और पहलगाम में जो हुआ वह हमें बताता है कि घाटी में हालात कैसे है।

भाजपा के स्टार प्रचारक को ओडिशा की राजधानी का नाम तक पता नहीं होगा : पांडियन

» बीजद नेता ने कसा पीएम मोदी पर तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुरी (ओडिशा)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के करीबी सहयोगी वी. के. पांडियन ने राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्टार प्रचारकों को राजनीतिक पर्यटक बताया और कहा कि वे ओडिशा की राजधानी का नाम तक नहीं बता सकते। पांडियन ने यह भी विश्वास जताया कि पटनायक लगातार छठी बार सत्ता में लौटेंगे और उन्होंने पटनायक के शपथ लेने की तारीख और समय तक की भी घोषणा कर दी।

पटनायक का दायां हाथ माने जाने वाले पांडियन ने सोमवार रात को पीटीआई-वीडियो को दिए एक साक्षात्कार में दावा किया कि बीजू जनता दल (बीजद) चुनावों में बड़ी सफलता हासिल कर रहा है और उसे 147 सदस्यीय विधानसभा में तीन-चौथाई बहुमत मिलेगा। ओडिशा में लोकसभा चुनाव के साथ ही विधानसभा चुनाव भी कराए जा रहे हैं। पटनायक ने दो सीटों गंजाम जिले की हिंजिली और बोलांगिर जिले की कांटाबांजी से चुनाव लड़ा है ।

नौ जून को नवीन पटनायक फिर बनेंगे सीएम

हमने शपथ ग्रहण का समय भी तय कर दिया है। नौ जून को सुबह साढ़े 11 बजे से दोपहर एक बजे के बीच माननीय मुख्यमंत्री शपथ लेंगे। पांडियन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साक्षात्कार मे दिए गए उस बयान को खारिज कर दिया कि 77 वर्षीय पटनायक के खिलाफ सत्ता विरोधी प्रचंड लहर है और बीजद के लिए इन चुनावो मे अस्तित्व बचाना तक मुश्किल हो जाएगा। मोदी ने 2019 मे भी यही बात कही थी लेकिन पटनायक ने प्रधानमंत्री को उनके शपथ ग्रहण समारोह मे आमंत्रित किया था। वह माननीय प्रधानमंत्री को शपथ ग्रहण के लिए फिर से आमंत्रित करेंगे। इस बार हमे उम्मीद है कि वह कुछ उपहार लेकर आएंगे। ओडिशा के लोगो को जिन उपहार की जरूरत है, उनमे राज्य को विशेष दर्जा देने, किसानो को न्यूनतम समर्थन मूल्य देने और कोयला खनन पर केंद्र सरकार द्वारा राज्य को उच्च राजस्व देने की लंबे समय से की जा रही मांग शामिल है। लोकसभा चुनाव पर पांडियन ने कहा कि बीजद 2019 के मुकाबले अच्छा प्रदर्शन करेगी, जब उसने राज्य मे 21 मे से 12 सीटें जीती थी जबकि भाजपा ने आठ और कांग्रेस ने एक सीट जीती थी।

स्टार्क व अय्यरों का दिखा दम, केकेआर फाइनल में

» कोलकाता ने सनराइजर्स को 8 विकेट से रौंदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 17वें सीजन के पहले क्वालीफायर कोलकाता और हैदराबाद के बीच खेला गया। जहां मिचेल स्टार्क (34 रन पर तीन विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद कप्तान श्रेयस अय्यर (24 गेंद में नाबाद 58) और वेंकटेश अय्यर (28 गेंद में नाबाद 51) की आक्रामक पारियों से कोलकाता नाइट राइडर्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को 8 विकेट से हरा दिया।

सनराइजर्स की पारी को 159 रन पर समेटने के बाद केकेआर ने महज 13.4 ओवर में दो विकेट पर 164 रन बना कर चौथी बार इस लीग में फाइनल का टिकट कटाया। सनराइजर्स को 26 मई को खेले जाने वाले फाइनल में जगह बनाने के लिए राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच बुधवार को खेले जाने वाले एलिमिनेटर के विजेता से शुक्रवार (24 मई) भिड़ना होगा।

श्रेयस और वेंकटेश ने खेली नाबाद पारी

श्रेयस और वेंकटेश दोनों ने अपनी नाबाद पारियों में एक समान पांच चौके और चार छक्के जड़े। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए महज 44 गेंद में 97 रन की अटूट साझेदारी कर टीम की एकतरफा जीत पक्की की। आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी स्टार्क को शुरुआती ओवरों में वैभव अरोड़ा (17 रन पर एक विकेट) का अच्छा साथ मिला और दोनों ने पहले दो ओवरों में शानदार लय में चल रहे सनराइजर्स के सलामी बल्लेबाजों ट्रेविस हेड (शून्य) और अभिषेक शर्मा (तीन) को पवेलियन की राह दिखा दी। वरुण चक्रवर्ती (26 रन पर दो विकेट) और सुनील नारायण (40 रन पर एक विकेट) की फिरकी ने मध्यक्रम में सनराइजर्स के बल्लेबाजों को ज्यादा देर तक पैर जमाने का मौका नहीं दिया।

नहीं थम रहा स्वाति-बिभव मारपीट मामला

अब एलजी और आप सरकार में तकरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पीए बिभव कुमार से मारपीट का मामला अभी शांत होने का नाम नही ले रहा है। इस मामले पर आप व बीजेपी में दिल्ली की राजनीति लगातार गरमायी हुई है। अब स्वाति मालीवाल के दिल्ली के एलजी से मुलाकात को लेकर बवाल हो गया है। आप ने इस पर बीजेपी को घेर लिया है।

वहीं ऐसी खबरें भी आ रही हैं कि बिभव कुमार वापस दिल्ली आ गए हैं। वहीं आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के निशाने पर पार्टी भी है। बीती रात 10 बजे उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट साझा की। जिसमें उन्होंने आप पार्टी के नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इस बीच स्वाति मालीवाल ने दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) वीके सक्सेना से बातचीत की। एलजी ने इस पूरे घटनाक्रम पर नाराजगी जाहिर की है। वहीं आप ने कहा कि इससे साबित होता है कि स्वाति मालीवाल भाजपा के लिए काम कर रहीं हैं।

सीएम केजरीवाल से ऐसी न थी उम्मीद : एलजी

एलजी वीके सक्सेना ने बयान में सीएम केजरीवाल की खामोशी पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनकी चुप्पी महिलाओं की सुरक्षा पर उनके रुख के बारे में बहुत कुछ बताती है। मुझे उम्मीद थी कि कम से कम सीएम केजरीवाल मामले पर अपनी बात रखेंगे, न कि टाल-मटोल करने वाले बने रहेंगे।

एलजी की चिट्ठी बता रही स्वाति बीजेपी के लिए कर रहीं काम : आप

एलजी के पत्र पर आप ने बयान जारी किया है। आप ने कहा है कि एलजी की चिट्ठी से साबित हुआ स्वाति मालीवाल भाजपा के लिए काम कर रही हैं। चुनाव में भाजपा रोज नई साजिश लेकर आ रही है। कभी शराब घोटाला, कभी स्वाति मालीवाल, कभी विदेशी फंडिंग के झूठे आरोप। आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा चुनाव तक रोज नए हथकंडे अपनाएगी। भाजपा बुरी तरह से हार रही है। अब मोदी जी की डूबती नैया को स्वाति मालीवाल का सहारा है। स्वाति मालीवाल के जरिये वो अपना चुनाव अभियान उठाना चाह रहे है।

पवन सिंह को भाजपा ने पार्टी से किया निष्कासित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बिहार में एनडीए के आधिकारिक उम्मीदवार के खिलाफ स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में लोकसभा चुनाव 2024 लड़ने के लिए भोजपुरी गायक पवन सिंह को निष्कासित कर दिया। पवन सिंह ने पहले स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में काराकाट लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने के अपने फैसले की घोषणा की थी। कहा था कि वह किसी भी कीमत पर बिहार की काराकाट लोकसभा सीट से अपनी उम्मीदवारी वापस नहीं लेंगे।

अभिनेता से नेता बने अभिनेता ने यह टिप्पणी तब की जब वरिष्ठ भाजपा नेता और बिहार के मंत्री प्रेम कुमार ने कहा कि सिंह को अपना नामांकन वापस ले लेना चाहिए अन्यथा पार्टी उनके खिलाफ कार्रवाई करेगी। पवन सिंह ने कहा, मैं अपना नामांकन वापस नहीं लूंगा क्योंकि यहां से लौटने का कोई मतलब नहीं है। मैं एक कलाकार हूं, कोई अपराधी नहीं हूं जिसके खिलाफ बीजेपी कार्रवाई करेगी। यह भारत है और यहां हर किसी को जीने का अधिकार है। स्वतंत्र जीवन, चाहे कोई कुछ भी कहे, पवन सिंह किसी भी कीमत पर काराकाट से चुनाव लड़ेंगे। पवन सिंह की मौजूदगी से काराकाट का मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है। एनडीए ने काराकाट सीट से उपेंद्र कुशवाहा को मैदान में उतारा है, जबकि महागठबंधन ने सीपीआई-एमएल के राजाराम सिंह कुशवाहा को उम्मीदवार बनाया है।

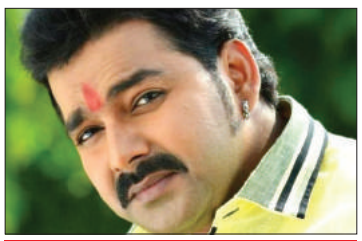

रोहिणी आचार्य पर एफआईआर दर्ज

पटना। छपरा में हुई चुनावी हिंसा के मामले में एक नया मोड़ आ गया है। बिहार के छपरा में चुनावी हिंसा के बाद राष्ट्रीय जनता दल की उम्मीदवार रोहिणी आचार्य मुश्किलों में फस गई है। हमले के मामले में रोहिणी आचार्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। टाउन थाना क्षेत्र में तेलपा स्थित मतदान केंद्र संख्या 318 और 319 पर सोमवार को मतदान के दौरान राजद और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच जोरदार भिड़ंत हुई थी। दोनों समूह के बीच में भिड़ंत इतनी तेज थी कि इस दौरान पत्थर बाजी से लेकर लाठी डंडे चलने की नौबत भी आई थी।

नोएडा में सरकारी अस्पताल में लगी आग, कोई घायल नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर में एक सरकारी अस्पतालमें बुधवार को आग लग गई, जिसके बाद चिकित्सकों ने आपातकालीन वार्ड और आईसीयू से मरीजों को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि इस घटना में किसी भी व्यक्ति को चोट नहीं आई है। उन्होंने कहा कि इमारत के भूतल में रखी यूपीएस बैटरी में लगी आग को बुझा दिया गया है। नियंत्रण कक्ष ने सेक्टर 39 स्थित सरकारी अस्पताल के तलघर में आग लगने की सूचना अग्निशमन सेवा इकाई को सुबह 3.55 बजे दी। हमने तत्काल आठ दमकल वाहनों को घटनास्थल पर भेजा। इमारत में धुआं भरना शुरू ही हुआ था। यहां के चिकित्सकों ने एहतियात के तौर पर मरीजों को आपातकालीन वार्ड और आईसीयू से दूसरे वार्ड में स्थानांतरित कर अच्छा काम किया।

एम्स को सुप्रीम निर्देश, गर्भपात कराने की इच्छुक महिला की स्थिति की जांच होगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने नई दिल्ली में एम्स को एक महिला और उसके 25 सप्ताह के भ्रूण की स्वास्थ्य स्थिति का मूल्यांकन करने के लिए एक मेडिकल बोर्ड बनाने का निर्देश दिया है। महिला ने अपने फैसले का प्राथमिक कारण आर्थिक तंगी का हवाला देते हुए गर्भपात का अनुरोध किया है।

यह निर्देश न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की अवकाश पीठ ने जारी किया। अदालत ने आदेश दिया है कि मेडिकल बोर्ड 27 मई तक अपने निष्कर्ष प्रस्तुत करे।

शीर्ष अदालत ने 26 सप्ताह के गर्भ को खत्म करने की याचिका खारिज कर दी

यहां बता दें कि पिछले साल शीर्ष अदालत ने एक महिला को 26 हफ्ते का गर्भ गिराने से इनकार कर दिया था। यह निर्णय इस आधार पर लिया गया कि वह प्रसवोत्तर मनोविकृति नामक मानसिक स्थिति से पीड़ित थी। इसके अलावा, वकीलों ने गर्भपात की चिकित्सीय स्थितियों पर भी जोर दिया।

महिला, जिसकी याचिका ने इस न्यायिक हस्तक्षेप को प्रेरित किया, ने खुलासा किया कि उसे अपनी गर्भावस्था के बारे में 17 मई को पता चला। संपूर्ण चिकित्सा मूल्यांकन के लिए सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि महिला के स्वास्थ्य और भ्रूण की स्थिति के सभी पहलुओं की सावधानीपूर्वक जांच की जाए। किसी भी आगे की कार्रवाई पर आगे बढ़ने से पहले विचार किया जाता है। वकील ने कहा, वह दुबई से आई है और फिलहाल नई दिल्ली के एक होटल में रह रही है। वह आर्थिक रूप से उतनी मजबूत नहीं है। अगले सोमवार की बात है। मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेगनेंसी अधिनियम के तहत, 24 सप्ताह से अधिक पुराने भ्रूण का गर्भपात केवल मेडिकल बोर्ड द्वारा निदान किए गए पर्याप्त भ्रूण असामान्यता के मामलों में या यदि अच्छे विश्वास के उद्देश्य से एक राय बनाई गई हो, तो ही किया जा सकता है। गर्भवती महिला की जान बचाई।

अभी और सताएगी प्रचंड गर्मी, लू से कोई राहत नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर भारत समेत पश्चिम भारत में अभी लोगों को गर्मी से कोई राहत मिलने वाली नहीं है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर, मप्र, बिहार में आने वाले दिनों में भयंकर लू चलेगी।

मौसम विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए लोगों से बिना जरूरी काम के घर से बाहर निकलने को मना किया है। उधर गुजरात के कई इलाकों में भीषण गर्मी के साथ ही उमस हालात को और खतरनाक बना रही है। हरियाणा के सिरसा में मंगलवार को अधिकतम तापमान 47.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो कि देश में सबसे ज्यादा है। भारत के अधिकतर हिस्से इन दिनों भीषण गर्मी से जूझ रहे हैं। उत्तर भारत के मैदानी इलाके बीते पांच दिनों से भयंकर लू की चपेट में हैं। अब मौसम विभाग ने कहा है कि आने वाले दिनों में भी गर्मी से राहत के आसार नहीं हैं। मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों के लिए हीट वेव का रेड अलर्ट जारी किया है। रेड अलर्ट जिन राज्यों के लिए जारी किया गया है, उनमें पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात और उत्तर पश्चिम मध्य प्रदेश का नाम शामिल है।

पांच दिनों तक चलेगी हीट वेव, मौसम विभाग ने जारी किया रेड अलर्ट

गर्मी से आम जनजीवन प्रभावित

मौसम विभाग ने कहा है कि गर्मी को देखते हुए बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। निचले पहाड़ी इलाकों में भी तेज गर्मी पड़ेगी। मंगलवार को देश के कई इलाकों में अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रहा। इनमें राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, चंडीगढ़ और उत्तर प्रदेश के कई इलाके शामिल हैं। गर्मी के चलते इन इलाकों में आम जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित रहा। गुजरात के कई इलाकों में भीषण गर्मी के साथ ही उमस हालात को और खतरनाक बना रही है।

बीकानेर में 47 डिग्री पार पहुंचा पारा

बीकानेर में पारा 47 डिग्री के पार पहुंच गया। बीकानेर में किस तरह की गर्मी पड़ रही है, इसका अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि बीएसएफ के जवानों ने रेत पर पापड़ सेंके हैं। फोटो में देखा जा सकता है कि हमारे जवान किस तरह विपरीत परिस्थितियों में हमारे देश की सीमाओं की सुरक्षा में लगे हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।